वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष:5 अंक: 284 शुक्रवार 13 मार्च 2026 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

राज्य में विकास की अपार संभावनाएं: भजनलाल

विकसित भारत के लक्ष्य को साकार करने में अहम भूमिका निभाएगा राजस्थान

उद्योगों के लिए बेहतर वातावरण तैयार कर रही हमारी सरकार

जयपुर. कासं

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि राजस्थान में विकास की अपार संभावनाएं हैं। हमारी सरकार ने निवेशपरक वातावरण, नवाचारों को प्रोत्साहन, ईज ऑफ डूइंग बिजनेस तथा सिंगल विंडो क्लीयरेंस सहित विभिन्न ऐसे निर्णय किए हैं, जिससे प्रदेश में उद्योगों के लिए बेहतर वातावरण तैयार हुआ है। हम प्रदेश की अर्थव्यवस्था को 2047 तक 4.3 ट्रिलियन की अर्थव्यवस्था बनाने के लक्ष्य के साथ कार्य कर रहे हैं। उन्होंने आश्वस्त किया कि राजस्थान में निवेश करने वाली उद्यमियों को किसी भी तरह की परेशानी नहीं आने दी जाएगी तथा उनकी सभी समस्याओं का त्वरित समाधान सुनिश्चित किया जाएगा। मुख्यमंत्री गुरुवार को भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) राजस्थान के वार्षिक सत्र को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार भविष्य की आवश्यकताओं को देखते हुए प्रदेश में योजनाबद्ध तरीके से विकास कार्यों को आगे बढ़ा रही है। विकसित राजस्थान 2047 के लक्ष्य को आधार मानकर ग्राम पंचायतों से लेकर नगर निकायों तक के समग्र विकास का रोडमैप तैयार किया जा रहा है।

प्रधानमंत्री के नेतृत्व में हर क्षेत्र में हुए अभूतपूर्व कार्य

शर्मा ने कहा कि यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने विकसित भारत 2047 की परिकल्पना दी है। जिसे साकार करने में राजस्थान भी अहम भूमिका निभाएगा। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के कुशल नेतृत्व में हमारा देश विश्व की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन चुका है और शीघ्र ही विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था भी बनने जा रहा है। उन्होंने कहा कि वर्ष 2014 के बाद गरीब कल्याण, देश में आतंकवाद का खात्मा, आर्थिक विकास तथा भारत का दुनिया में गौरव बढ़ा है। देश में हर क्षेत्र में विकास के अभूतपूर्व कार्य हुए हैं। शर्मा ने कहा कि राजस्थान में पर्यटन की अपार संभावनाएं हैं। प्रदेश के ऐतिहासिक मंदिर तथा सांस्कृतिक विरासत देश-विदेश के पर्यटकों को आकर्षित करती है। साथ ही, हमारी सरकार शेखावाटी की हवेलियों के संरक्षण के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में कानून व्यवस्था की स्थिति भी मजबूत हुई है, महिला अत्याचारों के मामलों में 10 प्रतिशत की कमी भी आई है तथा पुलिस को पर्याप्त संसाधन भी उपलब्ध करवाए जा रहे हैं।

34 नई नीतियां से विकास को मिली रफ्तार

मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार ने विभिन्न योजनाओं, नवाचारों एवं कार्यक्रमों द्वारा प्रदेश में विकास को गति दी है। प्रदेश में एयर कनेक्टिविटी को मजबूत करने के साथ ही सड़क नेटवर्क को भी सुदृढ़ किया गया है। उन्होंने कहा कि राज्य में प्रचुर मात्रा में खनिज उपलब्ध है। राज्य सरकार इनकी प्रोसेसिंग पर विशेष ध्यान दे रही है। साथ ही, एक जिला-एक उत्पाद योजना के माध्यम से जिले की स्थानीय विशिष्टताओं को बढ़ावा दिया जा रहा है। हमारी सरकार 34 नई नीतियां लाई है, जिससे उद्योगों को अनुकूल वातावरण मिले।

युवा नीति से उद्यमिता को मिल रहा बढ़ावा

मुख्यमंत्री ने कहा कि युवाओं के लिए हमारी सरकार युवा नीति लाई है, जिससे उद्यमिता को बढ़ावा मिल सके। साथ ही, मुख्यमंत्री युवा स्वरोजगार योजना के तहत युवाओं को ब्याजमुक्त ऋण दिया जा रहा है। हमारी मंशा है कि युवा रोजगार प्राप्त करने के साथ रोजगार प्रदाता बनें। उन्होंने कहा कि गत सरकार के समय पेपरलीक जैसे प्रकरणों से युवाओं के सपने चूर-चूर हो गए थे, लेकिन हमारी सरकार के कार्यकाल में एक भी पेपर लीक नहीं हुआ है। हमारी सरकार युवाओं को 4 लाख सरकारी क्षेत्र में एवं 6 लाख निजी क्षेत्र में रोजगार देने के लक्ष्य के साथ कार्य कर रही है। अब तक 1 लाख 25 हजार नियुक्तियां दी जा चुकी है। 1 लाख 33 हजार भर्ती प्रक्रियाधीन हैं तथा 1 लाख से ज्यादा पदों का भर्ती कैलेण्डर जारी किया जा चुका है।

राज्य में समावेशी विकास एवं बेहतर सुशासन को प्राथमिकता दी गई

मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने कहा कि मुख्यमंत्री के नेतृत्व में राज्य में समावेशी विकास एवं बेहतर सुशासन को प्राथमिकता दी गई है, जिससे अन्नदाता, महिला, गरीब और युवाओं का सशक्तीकरण हो सके। उन्होंने कहा कि फ्यूचर रैडी राजस्थान के लक्ष्य के साथ नगरीय विकास, बुनियादी ढांचे का विस्तार, सतत् विकास जैसे क्षेत्रों में कार्य किया जा रहा है। उन्होंने उद्यमियों से महिला सशक्तीकरण, आईटीआई और कौशल प्रशिक्षण के क्षेत्र में विशेष सहयोग की अपील की। इस दौरान शर्मा ने युवाओं को निजी क्षेत्र में रोजगार के नियुक्ति पत्र तथा महिलाओं को उद्यमिता के लिए वाउचर पत्र भी सौंपे।

पुलिस मुख्यालय में संसाधनों और जनशक्ति बढ़ाने पर जोर

जयपुर. कासं

राजस्थान में बढ़ते साइबर अपराधों की चुनौतियों से निपटने और ठगों के जाल को तोड़ने के लिए राजस्थान पुलिस अब और अधिक आक्रामक और तकनीकी रूप से सुदृढ़ रणनीति पर काम कर रही है। गुरुवार को जयपुर स्थित पुलिस मुख्यालय में पुलिस महानिदेशक राजीव कुमार शर्मा की अध्यक्षता में साइबर अपराध शाखा की एक उच्च स्तरीय और महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक आयोजित की गई। इस बैठक का मुख्य उद्देश्य प्रदेश में साइबर सुरक्षा के ढांचे को वैश्विक मानकों के अनुरूप तैयार करना और पीड़ितों को कम से कम समय में राहत पहुँचाना रहा। बैठक को संबोधित करते हुए पुलिस महानिदेशक राजीव कुमार शर्मा ने कहा कि आधुनिक दौर में अपराध का तरीका बदल रहा है, इसलिए पुलिस का संचार तंत्र और प्रतिक्रिया समय भी उतना ही तेज होना चाहिए। उन्होंने साइबर अपराधों की रोकथाम और त्वरित कार्रवाई के लिए उपलब्ध तकनीकी संसाधनों को और अधिक प्रभावी बनाने के निर्देश दिए। महानिदेशक ने स्पष्ट किया कि साइबर अपराधियों पर अंकुश लगाने के लिए पुलिस को अपराधियों से दो कदम आगे रहकर सोचना होगा। शर्मा ने बैठक के दौरान विशेष रूप से उल्लेख किया कि प्रदेश की साइबर इकाई को केंद्रीय 'भारतीय साइबर अपराध समन्वय केंद्र' की तर्ज पर और अधिक सक्रिय होकर काम करना चाहिए। इसके लिए उन्होंने राजस्थान साइबर अपराध समन्वय केंद्र हेतु एक प्रभावी मानक संचालन प्रक्रिया तैयार करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि इसकी मासिक समीक्षा के लिए कड़े बिंदु तय किए जाएं ताकि प्रगति का वास्तविक आकलन हो सके। इसके साथ ही, विभाग में अत्याधुनिक उपकरणों और कुशल जनशक्ति की कमी को दूर करने के लिए तत्काल विस्तृत प्रस्ताव तैयार करने को कहा गया है।

जब किसी को समझाना मुश्किल हो जाए, तो खुद को समझा लेना ही समझदारी है : अंतर्मना आचार्य श्री प्रसन्न सागरजी महाराज

औरंगाबाद / प्रतापगढ़. शाबाश इंडिया

अंतर्मना आचार्य श्री प्रसन्न सागरजी महाराज एवं उपाध्याय पियूष सागरजी महाराज ससंघ की अहिंसा संस्कार पदयात्रा दीक्षा भूमि परतापुर, बांसवाड़ा (राजस्थान) की ओर अग्रसर है। उसी श्रृंखला में प्रतापगढ़ (राजस्थान) में उपस्थित गुरु भक्तों को संबोधित करते हुए आचार्य श्री ने कहा कि अधिकांश भ्रम हमारी सोच और समझ के अभाव से उत्पन्न होते हैं। उन्होंने कहा कि जब हम केवल सोचते रहते हैं, तब वास्तव में समझ नहीं पाते, और जब सच्ची समझ आती है, तब सोच अपने आप शांत हो जाती है। आचार्य श्री ने प्रश्न किया कि क्या कभी हमने यह विचार किया है कि जब हम सोचते हैं, तब हमारे मस्तिष्क के भीतर वास्तव में क्या चल रहा होता है? अंतर्मन में विचार

अक्सर शब्दों या वाक्यों के रूप में नहीं चलते। शोध बताते हैं कि लगभग 80 प्रतिशत विचार बिना भाषा के होते हैं। जब तक हम किसी विचार को व्यक्त करते हैं या समझते हैं, उससे लगभग चार सेकंड पहले ही हमारा मस्तिष्क उस पर निर्णय कर चुका होता है। हमारे मन की धारा में शब्द केवल एक छोटा-सा हिस्सा होते हैं। वास्तव में हमारे विचार अक्सर धुंधली तस्वीरों, संवेदनाओं, अनुभवों या बिना शब्दों वाले स्वरूपों में प्रवाहित होते रहते हैं। दुनिया में लगभग 25 प्रतिशत लोग ऐसे होते हैं जो अधिकतर समय शब्दों में सोचते हैं, जबकि लगभग 20 प्रतिशत विचार ऐसे होते हैं जिनमें न कोई चित्र होता है और न शब्द – वे केवल जान लेने या महसूस कर लेने का एक अहसास होते हैं। आचार्य श्री ने कहा कि जब हम बाहर से कुछ नहीं कर रहे होते, तब भी हमारा मस्तिष्क भीतर ही भीतर बड़े परिवर्तनों की तैयारी कर रहा होता है। कोई भी विचार हमारे मन में आने से पहले अवचेतन स्तर पर उसका बीज तैयार हो चुका होता है। इसलिए जब हमें लगता है कि हम खाली हैं, तब भी हमारा मस्तिष्क भीतर ही भीतर नई संभावनाओं और विचारों को गढ़ने में लगा रहता है।

-नरेंद्र अजमेरा, पियूष कासलीवाल, औरंगाबाद

तीर्थंकर आदिनाथ संस्कृति और संस्कारों के जनक: आर्यिका अर्हम श्री माताजी

जयपुर. शाबाश इंडिया

ज्योति नगर स्थित 'जनकपुरी' जैन मंदिर में ससंघ विराजमान आर्यिका अर्हम श्री माताजी के पावन सानिध्य में जैन धर्म के प्रथम तीर्थंकर भगवान आदिनाथ का जन्म एवं तप कल्याणक महोत्सव भक्तिभाव के साथ मनाया गया। इस अवसर पर अभिषेक, शांतिधारा, 108 जाप्य, विशेष पूजन और भक्तामर दीप अर्चना जैसे अनुष्ठान संपन्न हुए। धर्म सभा को संबोधित करते हुए आर्यिका अर्हम श्री माताजी ने कहा कि भगवान ऋषभदेव (आदिनाथ) न केवल मोक्ष मार्ग के प्रणेता हैं, बल्कि वे मानवीय सभ्यता, संस्कृति और संस्कारों के भी जनक हैं। उन्होंने बताया कि आदिनाथ भगवान ने ही युग की आदि में मानव जाति को जीवन यापन के छह आवश्यक साधन– असि (रक्षा), मसि (लेखन), कृषि (खेती), विद्या, शिल्प और वाणिज्य प्रदान किए थे। आर्यिका श्री ने चेतावनी देते हुए कहा, ''जो आदिनाथ को भूल रहा है, वह वास्तव में अपनी संस्कृति और जड़ों को भूल रहा है।'' उन्होंने श्रद्धालुओं को प्रेरित किया कि इस मंगलकारी अवसर पर कोई न कोई त्याग या नियम लेकर अपने जीवन का कल्याण मार्ग प्रशस्त करें। कार्यक्रम में मंदिर प्रबंध समिति, महिला मंडल और युवा मंच सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने सहभागिता की। संध्या काल में सामूहिक प्रतिक्रमण और महाआरती के साथ उत्सव का समापन हुआ।

तीये की बैठक

अत्यन्त दुःख के साथ सूचित किया जाता है कि

श्रीमती लता काला

(धर्मपत्नी स्व. श्री विद्या प्रमोद काला) का आकस्मिक निधन 10 मार्च को हो गया है। **तीये की बैठक शुक्रवार 13 मार्च को प्रातः 9:30 से 10:00 बजे तक (आगमन-प्रस्थान) तोतुका भवन, भट्टारक जी की नशियाँ नारायण सिंह सर्किल पर होगी।**

शोकाकुल:

पुष्पलता काला (जिठानी)
निखिल, कोणार्क - वैशाली (पुत्र - पुत्रवधू)
गर्व (पौत्र) विद्या प्रताप (जेठ)
विवेक, आलोक, अजय, संजय (भतीजे)
प्रमोद, अरुण, विपुल, विद्या प्रदीप
एवं समस्त काला परिवार

पीहर पक्ष:

मुन्ना देवी, मन्जू (चाची), मनीष-निधि बडजात्या, अरुण-सुमित्रा, सागर-खुशी, मानवी (राम पथ, श्याम नगर),
एवं समस्त बडजात्या परिवार

आदिनाथ जयंती पर 'धाम यात्रा' का भव्य आगाज, नन्हे मुन्नों ने बिखेरी जैन संस्कृति की छटा

गंगापुर सिटी. शाबाश इंडिया। दिगंबर जैन सोशल ग्रुप, गंगापुर सिटी के तत्वावधान में 'आदिनाथ जयंती से महावीर जयंती' तक आयोजित होने वाले धाम यात्रा कार्यक्रम का आज भव्य शुभारंभ हुआ। प्रथम दिन भगवान आदिनाथ के जन्म जयंती के अवसर पर दयाल नगर स्थित जिनेंद्र माध्यमिक विद्यालय में विविध प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का प्रारंभ मुख्य अतिथियों द्वारा भगवान आदिनाथ एवं माँ शारदे के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलन से हुआ। विद्यालय के विद्यार्थियों ने स्वागत गीत के माध्यम से अतिथियों का अभिनंदन किया।

जैन दर्शन पर आधारित प्रतियोगिताएं

संयोजक योगेंद्र जैन एवं सचिव महेश जैन ने बताया कि इस अवसर पर भजन, नृत्य, चित्रकला, निबंध और विचित्र वेशभूषा प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। बच्चों ने जैन धर्म से जुड़ी प्रश्नोत्तरी में उत्साह दिखाया और विचित्र वेशभूषा के माध्यम से जैन दर्शन के विभिन्न पात्रों को जीवंत कर दिया। नन्हे-मुन्ने बच्चों के भजनों पर आधारित नृत्य ने सभी का मन मोह लिया।

प्रमुख अतिथियों की गरिमामय उपस्थिति

इस अवसर पर ग्रुप के संस्थापक अध्यक्ष सुमेर सोनी, सचिव महेश जैन, वरिष्ठ सदस्य एवं पूर्व जिला शिक्षा अधिकारी रमेश चंद्र जैन, शिक्षाविद जगदीश जैन, प्रवीण जैन कठूमर, कोषाध्यक्ष सुभाष सोगानी, मंगल जैन और योगेंद्र जैन सहित कई गणमान्य सदस्य उपस्थित रहे। अतिथियों ने भगवान आदिनाथ के जीवन चरित्र पर प्रकाश डालते हुए बच्चों का मार्गदर्शन किया।

सम्मान समारोह

विद्यालय परिवार द्वारा अतिथियों का तिलक लगाकर स्वागत किया गया, वहीं ग्रुप की ओर से संस्था निदेशक मोहनलाल जैन एवं योगेंद्र जैन का आभार व्यक्त किया गया। प्रतियोगिता में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को आगामी भव्य समारोह में दिगंबर जैन सोशल ग्रुप द्वारा पुरस्कृत किया जाएगा।

विचारों का प्रभाव : जैसा सोचेंगे वैसा बनेंगे

मनुष्य के जीवन में विचारों का अत्यंत महत्वपूर्ण स्थान होता है। हमारे विचार ही हमारे व्यक्तित्व, व्यवहार और जीवन की दिशा को निर्धारित करते हैं। कहा भी जाता है कि ''मनुष्य अपने विचारों का ही प्रतिबिंब होता है।'' जैसा हम सोचते हैं, वैसा ही हमारा दृष्टिकोण बनता है और उसी के अनुरूप हमारे कर्म भी आकार लेते हैं। सकारात्मक विचार मनुष्य को आशा, उत्साह और आत्मविश्वास से भर देते हैं। ऐसे विचार व्यक्ति को कठिन परिस्थितियों में भी आगे बढ़ने की प्रेरणा देते हैं। जो व्यक्ति सकारात्मक और श्रेष्ठ विचारों को अपनाता है, वह अपने जीवन में संतोष, शांति और सफलता का अनुभव करता है। सकारात्मक सोच व्यक्ति को समस्याओं के बीच भी अवसर खोजने की क्षमता प्रदान करती है। इसके विपरीत, नकारात्मक विचार मनुष्य को निराशा, भय और असफलता की ओर ले जाते हैं। जब मन में संदेह, क्रोध और ईर्ष्या जैसे भाव उत्पन्न होते हैं, तो वे हमारे व्यवहार और निर्णयों को भी प्रभावित करते हैं। परिणामस्वरूप व्यक्ति अपने लक्ष्य से भटक सकता है और जीवन में अशांति का अनुभव करने लगता है। इसलिए आवश्यक है कि हम अपने विचारों को शुद्ध, सकारात्मक और रचनात्मक बनाए रखें। अच्छे साहित्य का अध्ययन, सत्संग, ध्यान और आत्मचिंतन जैसे उपाय हमारे विचारों को श्रेष्ठ बनाने में सहायक होते हैं। जब मन में अच्छे विचार आते हैं, तो वे अच्छे कर्मों को जन्म देते हैं और वही कर्म जीवन को श्रेष्ठ बनाते हैं। अंततः कहा जा सकता है कि मनुष्य का जीवन उसके विचारों की ही परिणति है। यदि हम अपने विचारों को सकारात्मक और पवित्र बनाए रखें, तो हमारा व्यक्तित्व भी उज्ज्वल बनेगा और जीवन सुख, शांति तथा सफलता से परिपूर्ण हो जाएगा। वास्तव में, ''जैसा सोचेंगे, वैसा ही बनेंगे।'' — **अनिल माथुरः ज्वाला-विहार, जोधपुर**

विमर्श जागृति मंच की नवीन कार्यकारिणी घोषित, संजय सिंघई बने अध्यक्ष

अशोकनगर. शाबाश इंडिया। विमर्श जागृति मंच के सत्र 2026-27 के लिए नवीन कार्यकारिणी का गठन किया गया है। विगत दिनों वरिष्ठ सदस्यों की सहमति और गरिमामय उपस्थिति में नई टीम की घोषणा की गई, जिसमें संगठन को नई ऊंचाइयों पर ले जाने का संकल्प लिया गया। नवनियुक्त अध्यक्ष संजय सिंघई ने कार्यकारिणी का विस्तार करते हुए महत्वपूर्ण नियुक्तियां की हैं। टीम में विशाल जैन 'बाँझल' को कार्याध्यक्ष, प्रमोद जैन 'मोहरी' एवं चंद्रेश जैन 'रिंकू भारत' को उपाध्यक्ष मनोनीत किया गया है। प्रशासनिक दायित्वों के लिए जितेंद्र जैन 'शिक्षक' को मंत्री, जबकि डॉ. नीलेश जैन 'मोनू' एवं महावीर जैन तारई 'शिक्षक' को सहमंत्री की जिम्मेदारी सौंपी गई है। इसके अतिरिक्त, सौरभ जैन 'तारई' को कोषाध्यक्ष, सिद्धार्थ जैन 'शालू भारत' को संगठन मंत्री और डॉ. सुरेंद्र जैन को प्रचार मंत्री नियुक्त किया गया है। इस घोषणा पर राष्ट्रीय कार्याध्यक्ष सुभाष जैन 'कैंची बीड़ी', राष्ट्रीय उप मंत्री विनोद भारिल्ल, प्रचार मंत्री एस. के. जैन, पूर्व अध्यक्ष अनूप बाबू, प्रसन्न महिदपुर और चंद्रेश बतेसा सहित अनेक वरिष्ठों ने हर्ष व्यक्त किया है। सभी पदाधिकारियों ने नवनियुक्त टीम को बधाई देते हुए संगठन के कार्यों में पूर्ण सहयोग का आश्वासन दिया।

धर्म-कर्म

साम्प्रदायिक सद्भाव का सन्देश

निर्मल रानी

पूरे विश्व में इन दिनों इस्लाम धर्म का सबसे पवित्र महीना 'रमजान' पूरी श्रद्धा और आस्था के साथ मनाया जा रहा है। यह आत्म-अनुशासन, त्याग और इबादत का वह समय है जब मुस्लिम समुदाय के लोग सूर्योदय से पूर्व 'सहरी' और सूर्यास्त के बाद 'इफ़्तार' के नियमों का पालन करते हुए पूरे दिन का निर्जला उपवास (रोजा) रखते हैं। लेकिन भारत जैसे विविधतापूर्ण देश में रमजान केवल एक मजहबी रस्म तक सीमित नहीं है; यह महीना यहां हिन्दू, मुस्लिम, सिख और ईसाई समुदायों के बीच अटूट एकता, भाईचारे और आपसी मुहब्बत का एक बड़ा माध्यम बन जाता है। भारत के कोने-कोने से आने वाली सद्भाव की मिसालें इस बात का प्रमाण हैं कि हमारी जड़ें कितनी गहरी हैं। राजस्थान के सीमावर्ती जिले बाड़मेर और जैसलमेर में कई हिन्दू परिवार पीढ़ियों से रमजान के दौरान पांच रोजे रखने की परंपरा निभा रहे हैं। वहीं महाराष्ट्र के नांदेड़ जिले के एक गांव में लगभग 50 हिन्दू भाई मुस्लिम रीति-रिवाजों के साथ सहरी और इफ़्तार करते हैं। यह केवल एक धार्मिक क्रिया नहीं, बल्कि साझा संस्कृति के प्रति सम्मान का प्रतीक है। उत्तर प्रदेश के इटावा निवासी अमर सिंह शाक्य पिछले 22 वर्षों से पूरे 30 रोजे रख रहे हैं, जो उनकी अटूट श्रद्धा को दर्शाता है। इसी तरह, चेन्नई के मायलापुर स्थित 'सूफीदर मंदिर' में पिछले 40 वर्षों से रोजेदारों के लिए इफ़्तार तैयार किया जाता है, जहां मंदिर के पंडित स्वयं मुस्लिम भाइयों को रोजा खुलवाते हैं। राजस्थान के कांवट गांव में तो हिन्दू और सिख परिवार मिलकर मस्जिदों में इफ़्तार की दावत देते हैं। इस वर्ष रामपुर में एक और सुखद दृश्य दिखा, जहां मुस्लिम भाइयों ने रोजे की हालत में अपने हिन्दू साथियों के साथ होली खेलकर खुशियां बांटीं। मानवता और सेवा का सबसे बड़ा उदाहरण उत्तर प्रदेश के बुलंदशहर में देखने को मिला। यहां के मोहल्ला फैसलाबाद में जब एक हिन्दू परिवार के घर में गैस सिलेंडर से आग लगी, तब पास की मस्जिद में तरावीह की नमाज चल रही थी। शोर सुनते ही मुस्लिम भाइयों ने नमाज छोड़ दी और तुरंत आग बुझाने दौड़ पड़े। मस्जिद के पानी और सामूहिक प्रयासों से एक बड़ा हादसा टल गया। देश की राजधानी दिल्ली में नेहा भारती जैसी युवा सामाजिक कार्यकर्ता पिछले चार वर्षों से जामा मस्जिद के बाहर प्रतिदिन 300 से अधिक रोजेदारों के लिए अपने हाथों से बना इफ़्तार वितरित कर रही हैं।

संपादकीय

आयात पर निर्भरता की चुनौती

वर्तमान वैश्विक परिदृश्य में पश्चिम एशिया का सैन्य तनाव केवल एक क्षेत्रीय संघर्ष नहीं, बल्कि वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति श्रृंखला के लिए एक गंभीर खतरे के रूप में उभरा है। ईरान, इजरायल और अमेरिका के बीच बढ़ता टकराव सीधे तौर पर 'स्ट्रेट ऑफ होर्मुज' जैसे महत्वपूर्ण समुद्री मार्गों को बाधित कर रहा है। भारत के लिए यह स्थिति विशेष रूप से चिंताजनक है, क्योंकि हमारा लगभग 85-90 प्रतिशत गैस आयात इसी मार्ग से

होता है। कच्चे तेल की कीमतों का 100 डॉलर प्रति बैरल के पार जाना और कतर की एलएनजी सुविधाओं पर हमले ने भारत की रसोई और उद्योग दोनों के सामने संकट खड़ा कर दिया है। भारत अपनी कुल तेल जरूरतों का 85 प्रतिशत और एलपीजी का लगभग 58 प्रतिशत हिस्सा आयात करता है। आपूर्ति बाधित होने के कारण घरेलू और कमर्शियल सिलेंडर की कीमतों में हुई भारी बढ़ोतरी ने आम नागरिक की कमर तोड़ दी है। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए भारत सरकार ने 5 मार्च 2026 को 'आवश्यक वस्तु अधिनियम 1955' लागू किया। सामान्यतः तेल क्षेत्र में इस 'ब्रह्मास्त्र' का उपयोग दुर्लभ है, किंतु जमाखोरी रोकने और वितरण संतुलित करने के लिए यह एक अनिवार्य कदम था। इस कानून के तहत सरकार को उत्पादन, स्टॉक और कीमतों पर नियंत्रण का असाधारण अधिकार मिलता है, जिसका उल्लंघन करने पर 7 साल तक की जेल का प्रावधान है। सरकार ने रिफाइनरियों को स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि वे अन्य उत्पादों के बजाय एलपीजी उत्पादन को प्राथमिकता दें। साथ ही, गैस बुकिंग के नियमों में बदलाव कर रिफिल की अवधि को 21 से बढ़ाकर 25 दिन किया गया है ताकि कृत्रिम कमी को रोका जा सके। हालांकि, बड़े परिवारों के लिए यह एक चुनौती है, जिसके समाधान हेतु डबल सिलेंडर कनेक्शन जैसे विकल्पों की आवश्यकता है। यह संकट स्पष्ट करता है कि ऊर्जा बाजार केवल आर्थिक मुद्दा नहीं, बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा और नागरिक गरिमा से जुड़ा विषय है। यह वैश्विक अस्थिरता भारत के लिए एक चेतावनी भी है और अवसर भी। चेतावनी इस बात की कि ऊर्जा के लिए विदेशी ताकतों और अस्थिर क्षेत्रों पर अत्यधिक निर्भरता हमारी आर्थिक संप्रभुता को जोखिम में डालती है। अवसर इस रूप में कि अब हमें 'ऊर्जा आत्मनिर्भरता' की दिशा में युद्धस्तर पर काम करना होगा। रणनीतिक पेट्रोलियम भंडार की क्षमता बढ़ाना, घरेलू तेल उत्पादन को प्रोत्साहित करना और 'मेक इन इंडिया' के तहत ऊर्जा अवसंरचना को मजबूत करना समय की मांग है। दीर्घकालिक समाधान के लिए भारत को सौर, पवन, जैव ईंधन और ग्रीन हाइड्रोजन जैसे नवीकरणीय स्रोतों की ओर तेजी से बढ़ना होगा। इलेक्ट्रिक वाहनों को प्रोत्साहन और ऊर्जा स्रोतों में विविधता लाकर ही हम भविष्य के ऐसे झटकों को सहने में सक्षम हो पाएंगे। अंततः, पश्चिम एशिया की जंग ने यह सिद्ध कर दिया है कि आत्मनिर्भरता केवल एक नारा नहीं, बल्कि उत्तरजीविता की आवश्यकता है।

-राकेश जैन गोदिका

परिदृश्य

नई रेल क्रांति का उद्घोष

बिनोद कुमार सिंह

भारतीय रेल केवल पटरियों पर दौड़ती धातु की गाड़ियां नहीं, बल्कि भारत की अर्थव्यवस्था, समाज और सांस्कृतिक संपर्क का सबसे मजबूत सेतु है। यह विशाल देश की भौगोलिक दूरियों को पाटकर अवसरों को लोगों के करीब लाती है। हाल ही में तमिलनाडु के ऐतिहासिक नगर तिरुचिरापल्ली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा दो 'अमृत भारत एक्सप्रेस', दो एक्सप्रेस रेलगाड़ियों और नई पैसेंजर ट्रेनों को हरी झंडी दिखाना इसी कड़ी का एक ऐतिहासिक अध्याय है। 5,650 करोड़ रुपये से अधिक की विभिन्न विकास परियोजनाओं का यह उपहार केवल रेल सेवाओं तक सीमित नहीं है, बल्कि यह ऊर्जा, पेट्रोलियम और ग्रामीण बुनियादी ढांचे के व्यापक विकास का भी उद्घोष है। इन सेवाओं में 'पोदानूर-धनबाद अमृत भारत एक्सप्रेस' की शुरूआत एक मील का पत्थर है। दक्षिण भारत का औद्योगिक केंद्र कोयंबटूर लंबे समय से पूर्वी भारत के खनिज और ऊर्जा क्षेत्रों से सीधे संपर्क की प्रतीक्षा कर रहा था। यह नई ट्रेन पहली बार तमिलनाडु के औद्योगिक गलियारे को झारखंड के कोयला और इस्पात क्षेत्र से सीधे जोड़ती है। अब यात्रियों और व्यापारियों को चेन्नई या विजयवाड़ा में ट्रेन बदलने की जटिलता से मुक्ति मिलेगी। यह मार्ग सेलम, रेनिगुंटा, विजयवाड़ा और रांची जैसे प्रमुख केंद्रों से गुजरते हुए एक नया आर्थिक सेतु स्थापित करेगा। इस रेल सेवा का सबसे मानवीय और महत्वपूर्ण पहलू प्रवासी श्रमिकों की सुगमता है। झारखंड, बिहार और ओडिशा से आकर कोयंबटूर के कारखानों में काम करने वाले हजारों युवाओं के लिए दो हजार किलोमीटर की यात्रा अब सरल और सम्मानजनक होगी। 'अमृत भारत एक्सप्रेस' विशेष रूप से सामान्य यात्रियों की जरूरतों को ध्यान में रखकर तैयार की गई है। यह पूरी तरह गैर-एसी और किफायती किराए वाली ट्रेन है, जिसमें आधुनिक स्लीपर कोच, बेहतर स्वच्छता और 130 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार जैसी प्रीमियम सुविधाएं उपलब्ध हैं। इसमें दिव्यांग यात्रियों के लिए विशेष कोच की व्यवस्था इसे अधिक समावेशी बनाती है। इसी प्रकार, 'नागरकोइल-चारलापल्ली अमृत भारत एक्सप्रेस' तमिलनाडु के सुदूर दक्षिण को हैदराबाद जैसे बड़े आर्थिक केंद्र से जोड़ती है। साथ ही, 'रामेश्वरम-मंगलुरु' और 'तिरुनेलवेली-मंगलुरु' जैसी नई सेवाएं तटीय क्षेत्रों, तीर्थस्थलों और बंदरगाहों के बीच संपर्क को मजबूत करेंगी। स्थानीय स्तर पर मयिलादुथुराई-तिरुवरूर-कारईकुडी पैसेंजर ट्रेन कावेरी डेल्टा के किसानों और छात्रों के लिए जीवनरेखा साबित होगी। रेल सेवाओं के विस्तार के साथ-साथ केरल के शोरनूर और कुट्टिप्पुरम जैसे स्टेशनों का 'अमृत भारत स्टेशन योजना' के तहत पुनर्विकास आधुनिक भारत की नई तस्वीर पेश करता है। शोरनूर-निलांबुर रेल लाइन का विद्युतीकरण न केवल यात्रा समय घटाएगा, बल्कि पर्यावरण संरक्षण की दिशा में भी बड़ा कदम है। चेन्नई की इंटीग्रल कोच फैक्ट्री में 'मेक इन इंडिया' के तहत निर्मित ये ट्रेनें आत्मनिर्भर भारत का गौरव हैं। तिरुचिरापल्ली से शुरू हुई ये परियोजनाएं इस व्यापक सोच का हिस्सा हैं कि आधुनिक भारत का विकास केवल महानगरों तक सीमित न रहे। जब इंजन की सीटी के साथ इन ट्रेनों ने प्रस्थान किया, तो वह केवल एक औपचारिक शुरूआत नहीं थी, बल्कि उस यात्रा का आगाज था जहाँ दूरियाँ अब अवसरों की सीमा नहीं बनेंगी। पटरियों, सड़कों और ऊर्जा नेटवर्क का यह विस्तृत जाल आज आधुनिक भारत के विकास की एक नई और गौरवशाली गाथा लिख रहा है।

सम्यक ग्रुप एवं राजवंश स्कूल द्वारा रक्तदान एवं स्वास्थ्य परीक्षण शिविर का आयोजन

जयपुर. शाबाश इंडिया

भगवान आदिनाथ जयंती एवं 'तीर्थंकर दिवस' के पावन अवसर पर दिगंबर जैन सोशल ग्रुप 'सम्यक' तथा राजवंश सीनियर सेकेंडरी स्कूल, बरकत नगर के संयुक्त तत्वावधान में एक विशाल रक्तदान एवं निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण शिविर आयोजित किया गया। यह आयोजन वरिष्ठ समाजसेवी एवं शिक्षाविद स्व. श्री सोरन सिंह चौहान की पुण्यतिथि की स्मृति में किया गया।

प्रमुख चिकित्सा सेवाएं

सम्यक ग्रुप के सचिव नवल जैन ने बताया कि शिविर में जयपुरिया हॉस्पिटल ब्लड बैंक की टीम ने डॉ. राजाराम के नेतृत्व में 26 यूनिट रक्त संग्रहित किया। स्वास्थ्य परीक्षण के अंतर्गतः

हृदय रोग: फोर्टिस हॉस्पिटल के डॉ. राहुल सिंघल की टीम ने जांच की।

नेत्र रोग: डॉ. मनोज यादव की टीम द्वारा निःशुल्क परीक्षण व परामर्श दिया गया।

दंत रोग: डॉ. राकेश जैन की टीम ने अपनी सेवाएं प्रदान कीं।

शिविर से लगभग 200 लाभार्थियों ने स्वास्थ्य लाभ प्राप्त किया।

गरिमामय उपस्थिति

कार्यक्रम का शुभारंभ श्री पंकज जैन एवं श्रीमती मंजुला जैन द्वारा दीप प्रज्वलन कर किया गया। इस अवसर पर फेडरेशन के अतिरिक्त महासचिव राजेश बड़जात्या, सीमा बड़जात्या, सन्मति ग्रुप के संस्थापक अध्यक्ष राकेश गोदीका सहित अनेक गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे। राजवंश स्कूल की निदेशक श्रीमती सीता चौहान ने सभी अतिथियों एवं रक्तदाताओं का सम्मान किया।

व्यवस्था एवं आभार

शिविर के सफल संचालन में सम्यक ग्रुप के संरक्षक महावीर बिंदायका, अध्यक्ष डॉ. इन्द्र कुमार जैन, संस्थापक अध्यक्ष महावीर बोहरा, कोषाध्यक्ष मुकेश शाह एवं उपाध्यक्ष सुनील ठोलिया सहित पूरी टीम का विशेष सहयोग रहा। सभी रक्तदाताओं को स्मृति-चिह्न भेंट किए गए। अंत में अध्यक्ष डॉ. इन्द्र कुमार जैन ने सभी का आभार व्यक्त किया।

तबेला बाजार चैत्यालय में आदिनाथ जयंती पर 'तीर्थंकर दिवस' का भव्य आयोजन

सीकर. शाबाश इंडिया। सृष्टि के आदि पुरुष और जैन धर्म के प्रथम तीर्थंकर भगवान श्री 1008 ऋषभदेव (आदिनाथ) का जन्म एवं तप कल्याणक महोत्सव 'तीर्थंकर दिवस' के रूप में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। तबेला रोड स्थित श्री 1008 आदिनाथ दिगंबर जैन चैत्यालय में आयोजित दो दिवसीय कार्यक्रमों में भक्ति की अविरल धारा बही।

भक्तामर पाठ एवं दीप अर्चना

सीकर जैन समाज के विवेक पाटोदी ने बताया कि महोत्सव के प्रथम दिन बुधवार को 24 घंटे का अखंड भक्तामर पाठ आयोजित किया गया। सायं काल में संगीतमय ऋद्धि-सिद्धि मंत्रों द्वारा 48 दीपों से भक्तामर महाअर्चना हुई, जिसमें जन्म कल्याणक की बधाइयां गाई गईं। संगीतकार नवीन एंड पार्टी (कोटा) की प्रस्तुतियों ने वातावरण को भक्तिमय बना दिया।

प्रभात फेरी और महामंडल विधान

दूसरे दिन गुरुवार को प्रातः अहिंसा सर्किल से तबेला बाजार तक प्रभात फेरी निकाली गई। इसके पश्चात विद्वतरत्न आशीष जैन शास्त्री के निर्देशन में भगवान का अभिषेक, वृहद शांतिधारा एवं संगीतमय भक्तामर महामंडल विधान संपन्न हुआ। कार्यक्रम के पुण्यार्जक खूड़ वाले भागचंद-मंजू देवी सेठी (सुपुत्र स्व. छोटी देवी-केशरीमल सेठी) परिवार रहे।

षटकर्मों के प्रणेता हैं भगवान आदिनाथ

इस अवसर पर डॉ. वी.के. जैन ने कहा कि हमें आदिनाथ भगवान के जीवन दर्शन और जीवन जीने की कला को जन-जन तक पहुंचाना चाहिए। भागचंद सेठी ने विचार व्यक्त करते हुए बताया कि भगवान ऋषभदेव संपूर्ण मानवता के मार्गदर्शक हैं; उन्होंने ही समाज को असि, मसि, कृषि, वाणिज्य, शिल्प और विद्या जैसे षटकर्मों की शिक्षा देकर स्वावलंबी बनाया। गुरुवार शाम महिला मंडल द्वारा रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए गए, जिसमें धार्मिक तंबोला, प्रश्न मंच और सामूहिक नृत्य की प्रस्तुतियां हुईं। महिलाओं ने तीर्थंकर बालक को पालना झुलाने का सौभाग्य प्राप्त किया।

श्रद्धा और उल्लास से मनाई गई भगवान ऋषभ देव जयंती

जयपुर. शाबाश इंडिया। सांगानेर स्थित आदिनाथ पब्लिक स्कूल में जैन धर्म के प्रवर्तक एवं प्रथम तीर्थंकर भगवान ऋषभदेव (आदिनाथ) जी का जन्म -तप कल्याणक अत्यंत भक्तिभाव एवं श्रद्धा पूर्वक मनाया गया ।इस अवसर पर उनके जीवन एवं उपदेशों पर आधारित अनेक प्रकार की गतिविधियों एवं प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। विभिन्न आयु वर्ग के बच्चों लिए

आयोजित इन गतिविधियों में सभी छात्रों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया । कार्यक्रम का शुभारंभ भगवान ऋषभ देव के चित्र के सम्मुख दीप - प्रज्जवलन एवं मंगलाचरण से किया गया। तत्पश्चात सभी विद्यार्थियों को उनके अहिंसा, संयम , तप ,त्याग ,शिक्षाओं ,उपदेशों तथा मानव सभ्यता के निर्माण में उनके अतुलनीय योगदान पर आधारित एक लघु फिल्म दिखाई गई , जिसके द्वारा विद्यार्थियों को उनके जीवन और आदर्शों को गहराई से जानने व समझने का सुअवसर प्राप्त हुआ। इस पावन पर्व पर बच्चों ने भगवान के जन्म से पूर्व देखे गए माता मरु देवी के मंगलमय सोलह स्वप्नों को अपनी कल्पना और रंगों के माध्यम से आकर्षक ढंग से चित्रित कर सभी को मंत्रमुग्ध कर किया। विद्यालय की प्रिंसिपल डॉ पवना शर्मा ने इस शुभ अवसर पर भगवान ऋषभ देव के संयम , तप एवं उनके जीवन मूल्यों पर प्रकाश डालते हुए सभी विद्यार्थियों को उन उच्च आदर्शों को अपने जीवन में अपनाने के लिए प्रेरित किया तथा सभी को आदिनाथ जयंती की हार्दिक शुभकामनाएं प्रेषित की ।

फागी: हर्षोल्लास के साथ मनाया गया भगवान आदिनाथ का जन्म व तप कल्याणक महोत्सव

फागी. शाबाश इंडिया

कस्बे सहित फागी परिक्षेत्र के चकवाड़ा, चोरू, नारेड़ा, मंडावरा, मंडावरी, मैंदवास, लसाड़िया, निमेड़ा और लदाना में जैन धर्म के प्रथम तीर्थंकर भगवान आदिनाथ (ऋषभदेव) का जन्म एवं तप कल्याणक महोत्सव श्रद्धापूर्वक मनाया गया। राजस्थान जैन महासभा के मीडिया प्रवक्ता राजाबाबू गोधा ने बताया कि मुख्य आयोजन त्रिमूर्ति दिगंबर जैन मंदिर, फागी में संपन्न हुआ। यह दो दिवसीय महामहोत्सव समाधिस्थ आर्यिका 105 श्री आदिमति माताजी के आशीर्वाद से निर्मित मंदिर में आर्यिका 105 श्रुतमति माताजी एवं आर्यिका 105 सुबोधमति माताजी की मंगल प्रेरणा से आयोजित किया गया।

धार्मिक अनुष्ठान और सौभाग्यशाली परिवार

प्रातः काल की बेला में मूलनायक आदिनाथ भगवान की प्रथम शांतिधारा एवं पंचामृत अभिषेक का सौभाग्य रामस्वरूप, सिद्ध कुमार, पवन कुमार मोदी, सचिन और सौरभ परिवार को प्राप्त हुआ। विधिनायक प्रतिमा की शांतिधारा एवं श्रीजी को पालना झुलाने का अवसर पवन कुमार-राजकुमार कागला परिवार को मिला। इसके साथ ही पुष्प अभिषेक और पंचामृत अभिषेक में कमलेश कुमार, सुरेश कुमार जैन (मंडावरा), मुकेश-शुभम कुमार (कलवाड़ा), भागचंद-सुशील कासलीवाल सहित अन्य श्रावकों ने धर्म लाभ लिया।

आदिनाथ विधान और सांस्कृतिक छटा

पंडित मनीष गोधा के सानिध्य में मंत्रोच्चारण के साथ आदिनाथ विधान का आयोजन हुआ। इसमें 51 पूज्यार्थियों ने संगीतमय प्रस्तुतियों के बीच श्रीफल समर्पित कर सुख-समृद्धि की कामना की। मंदिर समिति के मुकेश कलवाड़ा, पदम बजाज और कमलेश मंडावरा ने बताया कि इस दौरान आदिमति महिला मंडल एवं अन्य सहयोगी संस्थाओं की सक्रिय सहभागिता रही।

सामूहिक भोज एवं दीप अर्चना

कार्यक्रम में अग्रवाल समाज के अध्यक्ष महावीर झंडा सहित कैलाश कासलीवाल, सुरेंद्र पंसारी, प्रवीण चांदमा और मंदिर समिति के मंत्री कमलेश चौधरी सहित सकल जैन समाज के पुरुष व महिलाएं उपस्थित रहीं। इस अवसर पर सामूहिक 'स्वरुचि भोज' का आयोजन हुआ। संध्या काल में 108 दीपकों से महाआरती कर भगवान आदिनाथ की भक्ति की गई।

आदिनाथ जयंती पर श्रद्धा का सैलाब, भव्य शोभायात्रा में गूंजे जयकारे

साक्षी जैन को 'जैन गौरव' सम्मान, आचार्य ससंघ के सानिध्य में हुए धार्मिक अनुष्ठान

टोंक. शाबाश इंडिया

जैन धर्म के प्रथम तीर्थंकर देवाधिदेव 1008 भगवान आदिनाथ का जन्म कल्याणक महोत्सव गुरुवार को श्री आदिनाथ दिगंबर जैन नसियां में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। कार्यक्रम आचार्य 108 इन्द्रनंदी जी महाराज, बालाचार्य 108 निपूर्णनंदी जी महाराज एवं गणिनी आर्यिका 105 स्वस्ति भूषण माताजी के पावन सानिध्य में संपन्न हुआ।

भव्य गजरथ शोभायात्रा

समाज के प्रवक्ता पवन कंटान एवं कमल सर्राफ ने बताया कि प्रातःकाल पंचामृत अभिषेक एवं वृहद शांतिधारा के पश्चात भगवान श्रीजी को रथ में विराजमान कर भव्य शोभायात्रा निकाली गई। शोभायात्रा में गजरथ, ऊंट, घोड़े और नैनवा व निंबाहेड़ा के बैंड मुख्य आकर्षण रहे। बड़ा कुआं, काफला बाजार और घंटाघर होते हुए शोभायात्रा पुनः नसियां पहुंची। मार्ग में श्रद्धालु भजनों पर झूमते और जयकारे लगाते चल रहे थे।

सांस्कृतिक प्रस्तुतियां और विधान

महोत्सव के एक दिन पूर्व बुधवार रात्रि को महिला मंडल द्वारा भगवान की माता के देखे गए '16 स्वप्नों' का सजीव चित्रण किया गया तथा 'कुंडलपुर की गाथा' नाटिका का मंचन हुआ। गुरुवार दोपहर को आदिनाथ महामंडल विधान में इंद्र-इंद्राणी ने अर्घ्य समर्पित किए। सायंकाल सामूहिक भोज के पश्चात 108 दीपों से आरती और शास्त्र सभा का आयोजन हुआ।

साक्षी जैन का 'जैन गौरव' सम्मान

समारोह के दौरान समाज का गौरव बढ़ाने वाली साक्षी जैन (सुपुत्री श्री चेतन जैन, हाड़ीगांव वाले) का भव्य अभिनंदन किया गया। वढरउ परीक्षा में 37वीं रैंक प्राप्त करने पर समाज द्वारा उन्हें और उनके परिवार को माला, दुपट्टा एवं आदिनाथ भगवान का चित्र भेंट कर 'जैन गौरव' उपाधि से नवाजा गया।

प्रमुख सहभागिता: आयोजन में महिला मंडल की संतोष मलारना, बीना गंगवाल, नीतू छान, सीमा छान सहित समाज के अध्यक्ष पदमचंद आड़रा, मंत्री महावीर प्रसाद देवली, अनिल सर्राफ, विकास अतार, मनीष फागी और जितेंद्र बनेठा सहित बड़ी संख्या में समाजजन उपस्थित रहे।

आचार्य संस्कृत महाविद्यालय में 'आदि पुराण' आधारित प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता आयोजित

भगवान ऋषभदेव के उपदेशों को जीवन में उतारने का आह्वान, काजुल जैन रहीं प्रथम

जयपुर. शाबाश इंडिया

श्री दिगम्बर जैन आचार्य संस्कृत महाविद्यालय में प्रथम तीर्थंकर भगवान आदिनाथ के जन्म कल्याणक के उपलक्ष्य में विविध ज्ञानवर्धक प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। इस अवसर पर 'आदि पुराण' ग्रंथ पर आधारित प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता मुख्य आकर्षण रही, जिसमें लगभग 35 विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

प्रतियोगिता का स्वरूप

कार्यक्रम का शुभारंभ मंगलाचरण से हुआ। जैन दर्शन विभाग के असिस्टेंट प्रोफेसर अनिल जैन ने प्रश्नोत्तरी का संचालन किया, जिसमें विद्यार्थियों से कुल 118 प्रश्न पूछे गए। प्रतियोगिता का संयोजन कद्दअउ समन्वयक डॉ. श्रुति पारीक तथा साहित्यिक एवं सांस्कृतिक विभाग की रुचि कुमारी व वर्षा जैन द्वारा किया गया। डॉ. हेमंत जैन ने निर्णायक की महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

परिणाम और पुरस्कार

कड़ी प्रतिस्पर्धा के बीच सर्वाधिक सही उत्तर देकर शास्त्री द्वितीय वर्ष की छात्रा काजुल जैन ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। प्रथम वर्ष की अनु जैन द्वितीय तथा खुशी जैन तृतीय स्थान पर रहीं। श्रोता दीर्घा में बैठे विद्यार्थियों से भी प्रश्न पूछकर उन्हें सांत्वना पुरस्कार प्रदान किए गए। इसके साथ ही ₹भगवान ऋषभदेव के संदेशों की प्रासंगिकता₹ विषय पर निबंध प्रतियोगिता भी आयोजित की गई।

आदिनाथ के उपदेशों की महत्ता

महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. अनिल कुमार जैन ने विद्यार्थियों को 'कालचक्र' के वैज्ञानिक स्वरूप से अवगत कराया। उन्होंने भगवान आदिनाथ के उपदेशों को आधुनिक जीवन में उतारने की प्रेरणा देते हुए कहा कि ऐसे आयोजनों से विद्यार्थियों का न केवल ज्ञानवर्धन होता है, बल्कि अपनी संस्कृति के प्रति गौरव भी बढ़ता है।

छोटा धड़ा पंचायत नसिया में आदिनाथ भगवान का जन्मोत्सव आयोजित

अजमेर. शाबाश इंडिया। छोटा धड़ा पंचायत बीस पंथी नागौरी आमनाय की नसिया में विराजमान चतुर्थकालीन अतिशयकारी मूलनायक भगवान आदिनाथ का जन्म एवं तप कल्याणक महोत्सव श्रद्धापूर्वक मनाया गया। इस पावन अवसर पर मंदिर परिसर में विविध धार्मिक अनुष्ठान संपन्न हुए। कार्यक्रम के मुख्य आकर्षण के रूप में अनिल-पीयूष गदिया परिवार द्वारा मूलनायक प्रतिमा का भव्य पंचामृत कलशाभिषेक एवं शांतिधारा की गई। इसी भक्तिमय शृंखला में विजय-अजय (टपसा) लुहाड़िया परिवार ने भगवान के चरणों में मंत्रोचारित माला समर्पित करने का धर्म लाभ प्राप्त किया।

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com | weeklyshabaas@gmail.com

धार्मिक हाऊजी प्रतियोगिता के साथ खिली भक्ति की छटा

चेलना जागृति महिला मंडल ने आदिनाथ जयंती की पूर्व संध्या पर आयोजित किया कार्यक्रम

मदनगंज-किशनगढ़ (रोहित जैन)। चेलना जागृति महिला मंडल के तत्वावधान में बुधवार सायं सिटी रोड स्थित आदिनाथ मंदिर परिसर में भगवान आदिनाथ जन्म जयंती की पूर्व संध्या पर एक विशेष संगीतमय धार्मिक हाऊजी प्रतियोगिता आयोजित की गई। इस अनूठे आयोजन में मनोरंजन के साथ-साथ जैन दर्शन के संस्कारों का संगम देखने को मिला। मंडल प्रचार मंत्री शिल्पा पाटनी ने बताया कि कार्यक्रम का शुभारंभ आर.के. मार्बल की सुशीला पाटनी द्वारा प्रस्तुत मनमोहक भजनों और मंगलाचरण के साथ हुआ। इसके पश्चात उपस्थित जनसमूह ने सामूहिक जाप कर वातावरण को आध्यात्मिक ऊर्जा से भर दिया। हाऊजी प्रतियोगिता को धार्मिक स्वरूप देते हुए पंचपरमेष्ठी, चार मंगल, तीन लोक और मोक्ष जैसे श्रेणियों में विजेताओं का चयन किया गया, जिन्हें मंडल द्वारा पुरस्कृत किया गया। प्रतियोगिता के दौरान मंडल की सदस्यों ने भक्ति नृत्यों की सुंदर प्रस्तुतियां दीं, जिससे पूरा परिसर भक्तिमय हो गया। मंत्री रश्मि छाबड़ा ने बताया कि कार्यक्रम में आदिनाथ पंचायत अध्यक्ष प्रकाश चंद गंगवाल, प्राणेश बज, इंदर चंद पाटनी एवं जितेंद्र छाबड़ा का मंडल की ओर से भावभीना स्वागत-अभिनंदन किया गया। आयोजन को सफल बनाने में वरिष्ठ सदस्य विभा गंगवाल, डॉ. किरणमाला जैन सहित सारिका छाबड़ा, वंशिका, शिल्पा, कुमकुम, ज्योत्सना, टीना, गरिमा, वर्षा और दीपा अजमेरा का विशेष सहयोग रहा। कार्यक्रम में संगीता गंगवाल, ललिता गदिया, प्रेमलता जैन सहित सैकड़ों की संख्या में महिलाएं व श्रावक उपस्थित थे। अंत में उपाध्यक्ष दीपा अजमेरा ने आभार व्यक्त किया। मंच संचालन रश्मि छाबड़ा ने कुशलतापूर्वक किया।

आदिनाथ भगवान के दरबार से 'घर-घर मंगलाचार' कार्यक्रम का भव्य आगाज

आदिनाथ जयंती से महावीर जयंती तक भक्ति की बहेगी अविरल धारा

अजमेर. शाबाश इंडिया

श्री दिगंबर जैन महासमिति महिला एवं युवा महिला संभाग, अजमेर द्वारा श्री दिगंबर जैन छोटा धड़ा पंचायत के तत्वावधान में ''घर-घर मंगलाचार'' अभियान का शुभारंभ किया गया। नसिया जी में विराजमान चतुर्थकालीन अतिशयकारी भगवान आदिनाथ की प्रतिमा के सम्मुख सायंकालीन आरती एवं भक्तामर पाठ के साथ इस विशेष शृंखला की शुरूआत हुई।

भक्ति भजनों से गुंजायमान हुआ दरबार

समिति की राष्ट्रीय कार्याध्यक्ष मधु पाटनी ने बताया कि यह कार्यक्रम भगवान आदिनाथ के जन्म कल्याणक से शुरू होकर शासन नायक भगवान महावीर स्वामी के जन्म कल्याणक तक निरंतर चलेगा। समारोह में प्रसिद्ध भजन गायक अंकित पाटनी, अजय (टपसा) लुहाड़िया, रोहित बाकलीवाल और श्रेयांश पाटनी ने मनमोहक भजनों की प्रस्तुति दी, जिस पर श्रद्धालु भक्ति में लीन होकर झूम उठे।

प्रतिभाओं का सम्मान

छोटा धड़ा पंचायत के अध्यक्ष दिनेश पाटनी, मंत्री नितिन दोषी एवं मैनेजर मनोज गोधा ने बताया कि कार्यक्रम के दौरान श्रेष्ठ भक्ति नृत्य करने वाले श्रद्धालुओं को महासमिति के संभाग अध्यक्ष अतुल पाटनी एवं राष्ट्रीय कार्याध्यक्ष मधु पाटनी द्वारा पुरस्कृत कर सम्मानित किया गया।

प्रमुख उपस्थिति

युवा महिला संभाग अध्यक्ष सोनिका भैंसा, मंत्री सुषमा पाटनी एवं रिंकू कासलीवाल ने बताया कि इस अवसर पर शिखा बिलाला, रेनू पाटनी सहित महासमिति की विभिन्न इकाइयों की सदस्याएं और छोटा धड़ा पंचायत के सदस्य बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

चांदखेड़ी में आदिनाथ जयंती महोत्सव: रथयात्रा में उमड़ा जनसैलाब, मुनिश्री ने बताए अतिशय

खानपुर/चांदखेड़ी. शाबाश इंडिया

श्री आदिनाथ दिगंबर जैन चन्द्रोदय अतिशय क्षेत्र चांदखेड़ी में प्रथम तीर्थंकर भगवान आदिनाथ का दो दिवसीय जन्म कल्याणक महोत्सव मुनि श्री 108 निष्पक्ष सागर जी एवं मुनि श्री 108 निष्प्रह सागर जी महाराज के सानिध्य में हर्षोल्लास के साथ संपन्न हुआ। महोत्सव में दुबई सहित देश के विभिन्न राज्यों से आए लगभग 10 हजार श्रद्धालुओं ने शिरकत की।

भव्य शोभायात्रा और सांस्कृतिक छटा:

क्षेत्राध्यक्ष हुकम जैन 'काका' एवं महामंत्री नरेश जैन 'वेद' ने बताया कि महोत्सव के दूसरे दिन प्रातः महाकलशाभिषेक व शांतिधारा संपन्न हुई, जिसका सौभाग्य दिल्ली के नरेंद्र कुमार सोगानी एवं समीर जैन परिवार को मिला। इसके पश्चात भव्य रथयात्रा निकाली गई, जिसमें पंजाब का बैंड, लटेरी का तमाशा बैंड और सारोला समाज द्वारा प्रस्तुत भगवान ऋषभदेव के जीवन पर आधारित झांकियां मुख्य आकर्षण रहीं। दुबई, एमपी, दिल्ली और राजस्थान के विभिन्न शहरों से आए श्रद्धालुओं ने शोभायात्रा का भव्य स्वागत किया। धर्मसभा को संबोधित करते हुए मुनि श्री निष्पक्ष सागर जी ने कहा कि चांदखेड़ी की आदिनाथ प्रतिमा अत्यंत चमत्कारी है। उन्होंने इसके इतिहास पर प्रकाश डालते हुए बताया कि लगभग 300 वर्ष पूर्व मुगल काल में किशनदास जी मड़िया को आए स्वप्न के बाद यह प्रतिमा शेरगढ़ से यहाँ लाई गई थी। मुनिश्री ने जोर देकर कहा, ऐसी चमत्कारी प्रतिमा या तो कुण्डलपुर में है या चांदखेड़ी में।

संस्कारों के संरक्षण का आह्वान:

दोपहर के प्रवचन में मुनिश्री ने आधुनिक जीवनशैली पर प्रहार करते हुए कहा कि आज युवा पीढ़ी 'पैकेज' के लोभ में अपने संस्कारों और संस्कृति से विमुख हो रही है। उन्होंने समाज से अपनी जड़ों और संस्कारों को बचाने की अपील की।

सहभागिता एवं आभार:

कार्यक्रम के सफल संचालन में मुख्य संयोजक मुकेश जैन 'मासूम', कोषाध्यक्ष गोपाल जैन एडवोकेट सहित पूरी कार्यकारिणी का विशेष सहयोग रहा। अंत में नरेश जैन वेद ने सभी आगंतुक श्रद्धालुओं और सहयोगियों का आभार व्यक्त किया।

भगवान महावीर के 2625 वें जन्मोत्सव के अन्तर्गत आदिनाथ जयन्ती से महावीर जयन्ती तक

दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप फेडरेशन राजस्थान रीजन, जयपुर के तत्वावधान में

दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप सन्मति जयपुर के सहयोग से

प्रायोजक ARL

प्रायोजक समाचार जगत

दिगंबर जैन महा समिति महिलांचल राजस्थान

निवाई इकाई

द्वारा

रक्तदान जीवन दान

रक्तदान शिविर एवं

समाज भूषण स्व. श्री राजेन्द्र के. गोधा जीवन रक्षक सम्मान 2026

रविवार 15 मार्च 2026

प्रातः 10 से 2 बजे तक

स्थान : अग्रवाल मन्दिर

कृषि मण्डी के सामने, निवाई

क्यों न खुद की एक पहचान बनाये। चलो रक्तदान करे और करवाये।।

दिगम्बर जैन महासमिति महिला अंचल राजस्थान अंचल निवाई इकाई

शशि सौगानी : अध्यक्षा, शकुन्तला छाबड़ा : मंत्री

विशेष सहयोगी : दिगम्बर जैन महासमिति निवाई इकाई

हुकुम चंद प्रेस वाले

: आयोजन समिति :

मुख्य समन्वयक : राजेश-सीमा बड़जात्या

मुख्य समन्वयक : राकेश-समता गोदिका

:: समन्वयक ::

राकेश संघी, राकेश छाबड़ा

अनिल राँवका, नितेश पाण्ड्या

दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप, फेडरेशन राज. रीजन

अध्यक्ष : सुनील-सुमन बज, सचिव : नीरज-रेखा जैन

कोषाध्यक्ष : प्रमोद-सोनल जैन

दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप, सन्मति

अध्यक्ष : राजेश-रानी पाटनी, सचिव : संजय-ज्योति छाबड़ा

कोषाध्यक्ष : कमल-मंजू ठोलिया

कार्यक्रम सहयोग कर्त्ता :

श्रीमान् सुनील भांजा, संजय सोगानी, विमल जोला

चित्र अनावरण कर्त्ता :

श्रीमान् लालचन्द जी (कठमाणा वाले)

दीप प्रज्जवलन कर्त्ता :

श्रीमान् मोहित चावरिया

मध्य प्रदेश की दूसरी सबसे बड़ी कंप्यूटर व्यापारिक संस्था के द्विवार्षिक चुनाव निर्विरोध संपन्न

जबलपुर. शाबाश इंडिया

मध्य प्रदेश की प्रमुख एवं दूसरी सबसे बड़ी कंप्यूटर व्यापारिक संस्था 'महाकोशल कंप्यूटर डीलर्स एसोसिएशन' (एमसीडीए), जबलपुर के वर्ष 2026-28 के कार्यकाल हेतु द्विवार्षिक चुनाव गुरुवार को सफलतापूर्वक एवं निर्विरोध संपन्न हो गए। इस अवसर पर संस्था के सदस्यों में भारी उत्साह देखा गया और सभी ने संगठन की एकता व परंपरा को बनाए रखने के लिए वरिष्ठ सदस्यों के प्रयासों की सराहना की।

निर्विरोध चयन की प्रक्रिया

निर्वाचन प्रक्रिया के अंतर्गत नामांकन की अंतिम समय-सीमा शाम 5 बजे तक निर्धारित की गई थी। इस समय तक किसी अन्य सदस्य द्वारा नामांकन पत्र दाखिल नहीं किए जाने के कारण सभी पदों पर उम्मीदवारों का चयन सर्वसम्मति से निर्विरोध घोषित किया गया। वरिष्ठ सदस्यों ने बताया कि संगठन में आपसी सामंजस्य की यह परंपरा लंबे समय से चली आ रही है, जो सदस्यों के बीच मजबूत विश्वास और संगठनात्मक एकता का प्रतीक है।

नवनियुक्त नेतृत्व का स्वागत

नवनिर्वाचित प्रतिनिधियों को बधाई देते हुए सदस्यों ने उम्मीद जताई कि नया नेतृत्व संगठन को नई ऊंचाइयों पर ले जाएगा। इस अवसर पर संस्था के सदस्य नितिन जैन एवं पुनीत अग्रवाल ने नवनियुक्त पदाधिकारियों को पुष्पगुच्छ भेंट कर शुभकामनाएं दीं। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि नई कार्यकारिणी कंप्यूटर व्यापारियों के हितों की रक्षा करने, व्यवसाय को नई दिशा देने तथा तकनीकी क्षेत्र में बेहतर समन्वय स्थापित करने के लिए सक्रिय रूप से कार्य करेगी।

क्षेत्र का सशक्त मंच

यह संस्था न केवल जबलपुर बल्कि पूरे महाकोशल क्षेत्र के कंप्यूटर व्यवसायियों के लिए एक मजबूत मंच के रूप में कार्य कर रही है। आने वाले समय में संगठन द्वारा व्यापारियों के हितों और व्यावसायिक विकास के लिए विभिन्न गतिविधियों का संचालन किया जाएगा। सभी सदस्यों ने नवनिर्वाचित पदाधिकारियों के सफल कार्यकाल की कामना की।

भगवान आदिनाथ से महावीर जयंती तक 'भक्ति यात्रा' का भव्य शुभारंभ

मुनि पूज्य सागर महाराज के सानिध्य में स्कीम 78 से निकली शोभायात्रा, उमड़ा जनसमूह

इंदौर. शाबाश इंडिया। अंतमुर्खी मुनि श्री पूज्य सागर महाराज के पावन सानिध्य में दिगंबर जैन सामाजिक संसद, सोशल ग्रुप फेडरेशन और महावीर ट्रस्ट के संयुक्त तत्वावधान में 'आदिनाथ से महावीर जयंती' तक चलने वाली 20 दिवसीय यात्रा का गुरुवार को भव्य शुभारंभ हुआ। विजयनगर स्कीम नंबर 78 स्थित जिनालय से निकली इस प्रभातफेरी और शोभायात्रा ने पूरे क्षेत्र को धर्ममय बना दिया।

शोभायात्रा और ध्वजारोहण

फेडरेशन के मीडिया प्रभारी राजेश जैन दद्दू ने बताया कि आकर्षक रथ में विराजमान भगवान आदिनाथ की प्रतिमा का जगह-जगह पाद-प्रक्षालन और आरती कर स्वागत किया गया। प्रभातफेरी के पश्चात श्री पार्श्वनाथ दिगंबर जैन मंदिर में ध्वजारोहण संपन्न हुआ, जिसका पुण्यार्जन जितेंद्र जैन, दिलीप पाटनी, संदीप जैन मोरया और यात्रा संयोजक संजय जैन (अहिंसा) ने प्राप्त किया। मंदिर अध्यक्ष द्वारा भगवान का अभिषेक एवं शांतिधारा की गई।

मुनिश्री का संदेश

मुनि श्री पूज्य सागर महाराज ने धर्मसभा को संबोधित करते हुए एकता, संयम और धर्म के मार्ग पर चलने का संदेश दिया। इस अवसर पर सामाजिक संसद के प्रत्याशी दिलीप पाटनी और आनंद गोधा ने भी मुनिश्री का आशीर्वाद लिया।

प्रमुख सहभागिता

सामाजिक संसद कीर्ति स्तंभ के कार्यकारी अध्यक्ष दिलीप पाटनी ने बताया कि इस 20 दिवसीय यात्रा में शहर के विभिन्न दिगंबर जैन मंदिरों और सोशल ग्रुप्स का सहयोग मिल रहा है। कार्यक्रम में सुशील पंड्या, राकेश विनायक, मनोहर झांझरी, आदित्य कासलीवाल, संजय पापड़ीवाल, प्रदीप चौधरी, डी.के. जैन (डीएसपी) और रितेश पाटनी सहित सैकड़ों की संख्या में महिला-पुरुष श्रद्धालु उपस्थित रहे। मंदिर ट्रस्ट से अनिल सलैया, सुधीर सिंघई और सोशल ग्रुप अहिंसा के सुरेश व केशव जैन ने व्यवस्थाओं में विशेष सहयोग प्रदान किया।

भगवान आदिनाथ के जन्मकल्याणक पर भक्ति और श्रद्धा का दिव्य उत्सव

पलवल. शाबाश इंडिया। सृष्टि के आदि पुरुष और जैन धर्म के प्रथम तीर्थंकर भगवान आदिनाथ (ऋषभदेव) का पावन जन्मकल्याणक महोत्सव जैन तीर्थ श्री पार्श्व पद्मावती धाम, पलवल में अत्यंत श्रद्धा और आध्यात्मिक उल्लास के साथ मनाया गया। यह पवित्र दिन मानव सभ्यता को धर्म, मर्यादा और जीवन जीने की श्रेष्ठ दिशा देने वाले महापुरुष के अवतरण का प्रतीक है। इस मंगल अवसर पर तीर्थ परिसर में विराजमान, भूगर्भ से अवतरित आदि ब्रह्मा भगवान आदिनाथ की प्रतिमा का विधिवत मंगल अभिषेक संपन्न हुआ। शुद्ध जल, दूध और अन्य पवित्र द्रव्यों से किए गए इस अभिषेक के दौरान पूरा मंदिर परिसर जयकारों और भक्तिमय ऊर्जा से गूंज उठा। श्रद्धालुओं ने पूर्ण समर्पण के साथ भगवान के चरणों में अपनी आस्था अर्पित की। अभिषेक के पश्चात विश्व शांति और जनकल्याण की भावना के साथ शांतिधारा का पावन अनुष्ठान किया गया। इस दौरान समस्त जगत में शांति, करुणा और सद्भाव की मंगल कामना की गई। उपस्थित श्रद्धालुओं ने भगवान आदिनाथ के जीवन से प्रेरणा लेते हुए संकल्प लिया कि वे सत्य, अहिंसा, संयम और करुणा के मार्ग पर चलकर समाज की सेवा करेंगे। धार्मिक सभा में वक्ताओं ने बताया कि भगवान आदिनाथ का जीवन हमें सिखाता है कि सच्चा वैभव बाहरी संपत्ति में नहीं, बल्कि आत्मशुद्धि और आध्यात्मिक उन्नति में निहित है। यह उत्सव केवल एक अनुष्ठान नहीं, बल्कि आत्मजागरण का संदेश देने वाला अवसर सिद्ध हुआ। कार्यक्रम का समापन आरती और धर्म प्रभावना के साथ हुआ। -**नितिन जैन**

कुचामन सिटी : भगवान ऋषभदेव की भव्य रथयात्रा में उमड़ा जनसैलाब

कुचामन सिटी. शाबाश इंडिया। युग प्रवर्तक प्रथम तीर्थंकर 1008 भगवान श्री ऋषभनाथ (आदिनाथ) का जन्म कल्याणक महोत्सव श्री जैन वीर मंडल के तत्वावधान में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ सभी जिनालयों में प्रातः अभिषेक, शांतिधारा और विधान के साथ हुआ। प्रातः 9 बजे अजमेरी मंदिर से भव्य रथयात्रा निकाली गई। रथ के सारथी बनने का सौभाग्य राजेश कुमार मनोज कुमार पांड्या परिवार को प्राप्त हुआ। चंवर ढोरने का अवसर संजय, अजय, दिलीप पाटोदी परिवार तथा भगवान को विराजमान करने का पुण्य सुरेश, नरेश एवं शैलेश काला परिवार को मिला। रथयात्रा में हजारों पुरुष श्वेत वस्त्र व केसरिया दुपट्टे तथा महिलाएं केसरिया परिधान में सम्मिलित हुईं। बच्चे ध्वज और बैनर लेकर भगवान के जयकारे लगा रहे थे। जुलूस धान मंडी, पलटन गेट, गोल प्याऊ और अंबेडकर सर्किल होते हुए पुनः धान मंडी पहुँचा, जहाँ श्रद्धालुओं ने भगवान का कलशाभिषेक कर धर्म लाभ लिया। महोत्सव के समापन पर गुणमाला देवी कमल कुमार पांड्या परिवार द्वारा सभी श्रद्धालुओं को इक्षु रस (गन्ने का रस) पिलाया गया। रात्रि में श्री नागौरी नसियाँ जी में आचार्य मानतुंग रचित भक्तामर पाठ के साथ 48 दीपकों से महाआरती की गई। आयोजन में सौभाग्यमल गंगवाल, अशोक झांझरी, जयकुमार पहाड़िया सहित समाज के अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे। — **सुभाष पहाड़िया**

अंबाह में भगवान आदिनाथ जन्म कल्याणक पर निकली भव्य शोभायात्रा

जैन समाज ने श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाया महोत्सव

अंबाह. शाबाश इंडिया। श्री आदिनाथ दिगंबर जैन छोटा मंदिर, जैन गली अंबाह में 1008 प्रथम तीर्थंकर मूलनायक भगवान आदिनाथ का जन्म महोत्सव जैन समाज द्वारा अत्यंत श्रद्धा, भक्ति और उत्साह के साथ मनाया गया। इस अवसर पर श्री दिगंबर जैन समाज एवं दिगंबर जैन सोशल ग्रुप अंबाह के तत्वाधान में भव्य धार्मिक आयोजन किए गए। कार्यक्रम की शुरूआत प्रातःकाल भव्य शोभायात्रा के साथ हुई, जिसने पूरे नगर में धर्ममय वातावरण का संचार कर दिया। सुबह लगभग 7:30 बजे जैन गली स्थित मंदिर परिसर से भगवान आदिनाथ की भव्य शोभायात्रा निकाली गई। शोभायात्रा में सबसे आगे पालकी में भगवान आदिनाथ को विधिवत विराजमान कर नगर भ्रमण कराया गया। बाजे-गाजे और धार्मिक धुनों के साथ श्रद्धालु भक्ति भाव से आगे बढ़ रहे थे। पालकी के चारों ओर श्रद्धालु ''जय जिनेन्द्र'' और भगवान आदिनाथ के जयघोष लगाते हुए चल रहे थे, जिससे वातावरण पूरी तरह भक्तिमय हो गया। शोभायात्रा में पुरुष वर्ग पारंपरिक परिधान कुर्ता-पजामा में शामिल हुए, जबकि महिलाओं ने केसरिया साड़ियां धारण कर मंगल गीत गाते हुए भगवान की स्तुति की। बच्चों और युवाओं ने भी उत्साहपूर्वक यात्रा में भाग लेकर कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। पूरे मार्ग में श्रद्धालुओं ने भगवान के दर्शन कर मंगलकामनाएं कीं और पुष्प वर्षा कर शोभायात्रा का स्वागत किया। यह शोभायात्रा जैन गली स्थित मंदिर से प्रारंभ होकर जयश्वर रोड, सदर बाजार, परेड चौराहा और गंज बाजार होते हुए पुनः मंदिर परिसर पहुंची। नगर के विभिन्न स्थानों पर श्रद्धालुओं ने शोभायात्रा का स्वागत किया और भगवान आदिनाथ के जयकारों से वातावरण गूंज उठा। मंदिर पहुंचने के बाद भगवान का भव्य अभिषेक एवं पूजन किया गया। श्रद्धालुओं द्वारा स्वर्ण कलशों में प्रासुक जल भरकर भगवान आदिनाथ का प्रथम अभिषेक किया गया। इसके बाद भगवान की रिद्धि-सिद्धि, सुख-शांति एवं मंगलकामनाओं के लिए वृहद शांति धारा का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लेकर धर्मलाभ प्राप्त किया। इसके पश्चात देव-शास्त्र-गुरु पूजन के साथ भगवान आदिनाथ के जन्म कल्याणक की विशेष पूजा संपन्न हुई। भक्तों ने श्रद्धापूर्वक पूजा-अर्चना कर भगवान से परिवार और समाज की सुख-समृद्धि की प्रार्थना की। कार्यक्रम के अंत में विसर्जन पाठ कर महाअर्घ्य अर्पित किया गया और सामूहिक महाआरती के साथ धार्मिक आयोजन का समापन हुआ। इस अवसर पर आयोजित धर्मसभा में विद्वानों ने भगवान आदिनाथ के जीवन और उनके महान उपदेशों पर प्रकाश डाला। बताया गया कि जैन धर्म के प्रथम तीर्थंकर भगवान आदिनाथ का जन्म उत्तर प्रदेश के अयोध्या नगर में राजा नाभिराय और रानी मरूदेवी के यहां हुआ था। उन्हें ऋषभदेव के नाम से भी जाना जाता है और जैन धर्म के प्रवर्तक के रूप में उनका विशेष स्थान है। धर्मसभा में यह भी बताया गया कि राजा ऋषभदेव के दरबार में नीलांजना नामक नर्तकी का नृत्य चल रहा था, उसी दौरान उसकी मृत्यु हो जाने पर राजा को संसार की नश्वरता का बोध हुआ और उन्हें वैराग्य प्राप्त हुआ। इसके बाद उन्होंने अपना संपूर्ण राजपाट पुत्र भरत और बाहुबली को सौंपकर संन्यास धारण कर लिया और कठोर तपस्या के मार्ग पर चल पड़े। संतोष जैन ने बताया कि दीर्घकालीन तपस्या के पश्चात उन्हें अक्षय तृतीया के दिन राजा श्रेयांस के यहां गन्ने के रस से आहार प्राप्त हुआ, जो जैन परंपरा में अत्यंत महत्वपूर्ण घटना मानी जाती है। अंततः भगवान आदिनाथ ने कैलाश पर्वत पर माघ कृष्ण चतुर्दशी के दिन मोक्ष प्राप्त कर संसार के आवागमन से मुक्ति प्राप्त की। कार्यक्रम के संबंध में दिगंबर जैन सोशल ग्रुप के अध्यक्ष संतोष जैन एवं महामंत्री विकास जैन पाडे ने बताया कि जैन धर्म के प्रथम तीर्थंकर भगवान आदिनाथ की जयंती चैत्र कृष्ण नवमी को अत्यंत श्रद्धा और भक्ति के साथ मनाई जाती है। उन्होंने कहा कि ऐसे धार्मिक आयोजन समाज में आध्यात्मिकता, सद्भाव और संस्कारों को मजबूत करते हैं। इस अवसर पर दिगंबर जैन सोशल ग्रुप के सदस्यगण तथा जैन समाज के अनेक श्रद्धालु बड़ी संख्या में उपस्थित रहे और भगवान आदिनाथ के जन्म महोत्सव को श्रद्धा और भक्ति के साथ मनाया।

आचार्य वर्धमान सागर जी का खानिया चूलगिरी में मंगल प्रवेश आज

आदिनाथ जयंती पर मालवीय नगर में धर्म की वर्षा, मुनिसंघ का हुआ मंगल विहार

जयपुर. शाबाश इंडिया

वात्सल्य वारिधि आचार्य 108 श्री वर्धमान सागर जी महाराज ससंघ के पावन सानिध्य में मालवीय नगर सेक्टर-10 स्थित श्री चंद्रप्रभ जिनालय में भगवान आदिनाथ जयंती महोत्सव श्रद्धापूर्वक मनाया गया। इस अवसर पर अभिषेक, शांतिधारा और चित्र अनावरण जैसे धार्मिक अनुष्ठान संपन्न हुए।

जन्म कल्याणक और आहार चर्या

मालवीय नगर जैन समाज के अध्यक्ष हरक चंद लुहाड़िया एवं मंत्री रामपाल जैन ने बताया कि भगवान आदिनाथ के जन्म एवं तप कल्याणक के अवसर पर आचार्य श्री की आहार चर्या का सौभाग्य समर-संगीता एवं राजेश पंचोलिया (इंदौर) परिवार को प्राप्त हुआ। धर्मसभा में मुनि श्री भुवनसागर जी एवं मुनि श्री हितेंद्रसागर जी ने परिवार की एकता, दैनिक मंदिर दर्शन और अभिषेक की महिमा पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि जिनालय से सकारात्मक ऊर्जा और पुण्य का अर्जन होता है।

आचार्य श्री का मंगल प्रवचन

आचार्य श्री वर्धमान सागर जी ने अपने संबोधन में कहा कि भगवान आदिनाथ ने ही भोग भूमि के बाद कर्म भूमि की व्यवस्था दी। उन्होंने प्रजा को जीवन यापन के लिए असि, मसि, कृषि, शिल्प, कला और वाणिज्य का उपदेश दिया। पुत्रियों ब्राह्मी और सुंदरी के माध्यम से अंक और लिपि कला का ज्ञान प्रदान किया। आचार्य श्री ने जोर देकर कहा कि संयमित और अनुशासित जीवन ही निर्वाण का मार्ग प्रशस्त करता है।

मंगल विहार और आगामी प्रवास

राजेश पंचोलिया के अनुसार, 12 मार्च दोपहर को आचार्य संघ का मालवीय नगर से मंगल विहार हुआ। 6 किलोमीटर की पदयात्रा के बाद रात्रि विश्राम जवाहर नगर स्थित आदर्श विद्या मंदिर में हुआ। आज, 13 मार्च को आचार्य संघ सुबह मंगल विहार कर राणा जी की नसिया (खानिया) पहुँचेगा, जहाँ आहार चर्या और धर्मसभा होगी। इसके पश्चात संघ का चूलगिरी क्षेत्र में मंगल प्रवेश होगा। आचार्य श्री के प्रवास से पूरे क्षेत्र में धर्म की अपूर्व प्रभावना हो रही है।

भगवान आदिनाथ के जन्म कल्याणक पर उमड़ा भक्ति का सैलाब

भरत के नाम पर ही देश का नाम पड़ा भारतवर्ष

झुमरी तिलैया. शाबाश इंडिया। जैन धर्म के प्रथम तीर्थंकर देवाधिदेव 1008 भगवान आदिनाथ का जन्म कल्याणक महोत्सव चैत्र कृष्ण नवमी को श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाया गया। स्टेशन रोड और पानी टंकी रोड स्थित दोनों जिनालयों में आयोजित इस महोत्सव में सैकड़ों श्रद्धालुओं ने भाग लिया। महिलाएं लाल परिधान और पुरुष केसरिया वस्त्रों में पूजन हेतु सम्मिलित हुए।

अभिषेक और शांतिधारा का सौभाग्य

प्रातः काल प्रभात फेरी के पश्चात बड़ा मंदिर में भगवान आदिनाथ का भव्य अभिषेक एवं शांतिधारा संपन्न हुई। प्रथम अभिषेक का सौभाग्य अक्षय-सोना जैन गंगवाल परिवार को प्राप्त हुआ। इसके साथ ही अष्टधातु से निर्मित अतिशय युक्त प्रतिमा के अभिषेक का पुण्य राकेश छाबड़ा, अमित जैन, सरोज पापड़ीवाल, जय कुमार गंगवाल, विनोद अजमेरा, संजय गंगवाल, सुशील पांड्या और पारस सेठी परिवार को मिला। भगवान पार्श्वनाथ की प्रतिमा पर शांतिधारा का सौभाग्य अजित जैन गंगवाल एवं संजय-रितेश गंगवाल परिवार को प्राप्त हुआ।

पालना उत्सव और सांस्कृतिक संध्या

सोना जैन गंगवाल एवं ईशा जैन छाबड़ा ने भगवान की प्रतिमा को पालने में विराजमान किया, जिसे झुलाने का सौभाग्य पारखी जैन सेठी और अतिवीर जैन छाबड़ा को मिला। पंडित अभिषेक शास्त्री के निर्देशन में संगीतमय पूजन और शास्त्र सभा का आयोजन हुआ। उन्होंने बताया कि भगवान आदिनाथ ने ही मानवता को असि, मसि और कृषि जैसी शिक्षाएं देकर स्वावलंबी बनाया।

आदिनाथ जयंती पर श्रद्धा का सैलाब, भव्य शोभायात्रा में उमड़ी धर्म प्रभावना

बांसवाड़ा (सुरेश चंद्र गांधी)। जैन धर्म के प्रथम तीर्थंकर भगवान आदिनाथ का जन्म एवं तप कल्याणक महोत्सव नौगामा में अत्यंत हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। प्रातः काल आदिनाथ मंदिर, महावीर समवशरण मंदिर और सुखोदय तीर्थ नसिया जी में विशेष शांतिधारा व अभिषेक किए गए। अभिषेक का प्रथम सौभाग्य दीपेश गांधी, अमित कुमार और सुमित गांधी (महावीर ट्रेडर्स) को प्राप्त हुआ।

मुनिश्री के प्रवचन एवं पालना उत्सव

आदिनाथ मंदिर में मुनि श्री सजग सागर जी महाराज के मंगल प्रवचन हुए। इसके पश्चात आयोजित पालना उत्सव में भगवान को पालना झुलाने का पुण्य दिनेश चंद्र कांतिलाल, प्रदीप रतनलाल और सुभाष लक्ष्मीलाल पंचोली परिवार को मिला।

नगर भ्रमण और भव्य अगवानी

चांदी के विमान में भगवान आदिनाथ की प्रतिमा को विराजमान कर बैंड-बाजों के साथ भव्य शोभायात्रा निकाली गई। श्रद्धालुओं ने घरों के बाहर रंगोली सजाकर और मंगल गीत गाकर श्रीजी की अगवानी की। नया मोहल्ला में श्रद्धालुओं को प्रसाद के रूप में आमरस वितरित किया गया। शोभायात्रा में पुरुष श्वेत वस्त्र और महिलाएं केसरिया परिधान में सम्मिलित हुईं, वहीं जैन पाठशाला के छात्र धर्म ध्वज लेकर जयकारे लगा रहे थे।

सामाजिक जागरूकता और आभार

शोभायात्रा के समापन पर राजस्थान पुलिस की कालीबाई पेट्रोलिंग यूनिट ने श्रद्धालुओं को साइबर अपराधों से बचाव की जानकारी दी। अंत में जैन समाज के अध्यक्ष विपुल पंचोली और नवयुवक मंडल अध्यक्ष मुकेश गांधी ने सभी का आभार व्यक्त किया। आयोजन का समापन समाज के सामूहिक महाप्रसाद के साथ हुआ।

विश्व शांति के लिए भगवान आदिनाथ के सिद्धांत अनिवार्य: विजय धुर्रा

आदिश्वर धाम में 108 कलशों से हुआ महामस्तकाभिषेक, जिले भर में गूंजे आदिनाथ के जयकारे

अशोकनगर. शाबाश इंडिया

युग के आदि में असि, मसि, कृषि, विद्या, वाणिज्य और शिल्प का उपदेश देने वाले जैन दर्शन के प्रथम तीर्थंकर, प्रथम चक्रवर्ती सम्राट भगवान आदिनाथ (ऋषभदेव) की जन्म जयंती 'श्री दिगंबर जैन पंचायत कमेटी' एवं 'जिन शासन एकता संघ' के संयुक्त तत्वावधान में भक्तिभाव पूर्वक मनाई गई। इस अवसर पर आयोजित भव्य समारोह में प्रशासनिक अधिकारियों, शिक्षाविदों और विभिन्न धर्मों के गणमान्य नागरिकों ने सहभागिता की।

विश्व शांति का मार्ग

समारोह को संबोधित करते हुए मध्य प्रदेश महासभा के संयोजक विजय धुर्रा ने कहा, ''आज जब दुनिया विश्व युद्ध की राह पर खड़ी है, तब भगवान आदिनाथ के सिद्धांत ही मानवता को बचा सकते हैं।'' उन्होंने बताया कि प्रभु ने ही आदि युग में समाज को स्वावलंबी बनने की शिक्षा दी थी। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के दिनेश रघुवंशी ने कहा कि नर से नारायण बनने की कठिन डगर दिखाने वाले आदिनाथ स्वामी की तपस्या का उल्लेख वेदों में भी मिलता है।

नारी शिक्षा के प्रणेता

जैन युवा वर्ग के डॉ. हेमंत टडैया ने भगवान आदिनाथ को नारी शिक्षा का प्रबल पक्षधर बताते हुए कहा कि उन्होंने स्वयं अपनी पुत्रियों ब्राह्मी और सुंदरी को लिपि व अंक ज्ञान कराकर पारंगत किया था। हमें भी ऐसी शिक्षा व्यवस्था का प्रसार करना चाहिए जहाँ संस्कार और मयार्दा सुरक्षित रहें।

धार्मिक अनुष्ठान और महामस्तकाभिषेक

सुभाष गंज स्थित आदिश्वर धाम में 'बड़े बाबा' भगवान आदिनाथ का 108 रिद्धि कलशों से महामस्तकाभिषेक किया गया। जगत कल्याण की भावना से की गई शांतिधारा का सौभाग्य दिनेश महिदपुर, अभिजीत वरखेड़ा, सुचित-सचिन कासल सहित अन्य भक्तों को मिला। पंचायत कमेटी के मंत्री शैलेंद्र श्रागर ने सभी जीवों के निरोगी और सुखी रहने की मंगल कामना की।

भक्ति संध्या और दीप अर्चना

सांयकाल भक्तामर मंडल द्वारा 48 दीपों के साथ महाआरती और संगीतमय भक्तामर पाठ का आयोजन किया गया। गायक सत्यम सिंघई, संचित बजाज और डॉ. पंकज जैन के मधुर भजनों पर श्रद्धालु मंत्रमुग्ध होकर झूम उठे।

जिले भर में महोत्सव की धूम

थूवोनजी: अतिशय क्षेत्र थूवोनजी में 108 रिद्धि मंत्रों के साथ अभिषेक संपन्न हुआ।

मियांदात: चंदेरी के निकट मियांदात क्षेत्र में मुनि श्री अविचल सागर जी महाराज के सानिध्य में महापूजा आयोजित की गई।

मुंगावली व शाढौरा: मुंगावली में भगवान को पालना झुलाया गया, वहीं शाढौरा में महिला मंडल द्वारा विशेष द्रव्य थाल सजाकर प्रभु का गुणगान किया गया।

जैन समाज के अध्यक्ष राकेश कासंल एवं महामंत्री राकेश अमरोद ने सभी अतिथियों का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में डॉ. दीपक मिश्रा, अशोक रघुवंशी और ऋषभ बाँझल सहित अनेक प्रबुद्ध जन उपस्थित रहे।

श्री विद्यासागर युवा संगठन द्वारा विशाल भोजन सेवा, 1100 से अधिक जरूरतमंदों ने पाया लाभ

भगवान आदिनाथ के जन्म एवं तप कल्याणक पर युवाओं ने पेश की सेवा की मिसाल

ब्यावर. शाबाश इंडिया

प्रथम जैन तीर्थंकर भगवान आदिनाथ के जन्म एवं तप कल्याणक महोत्सव के पावन अवसर पर श्री विद्यासागर युवा संगठन द्वारा एक विशेष सेवा प्रकल्प के अंतर्गत विशाल भोजन सेवा का आयोजन किया गया। ''आदि प्रभु की भक्ति हो, दीन-दुखियों की सेवा हो'' के संकल्प के साथ संगठन के सदस्यों ने निर्धन एवं असहाय लोगों को भोजन कराकर मानवता का संदेश दिया।

आदिनाथ के आदर्शों से प्रेरणा

संगठन मंत्री अमित गोधा ने बताया कि भगवान आदिनाथ ने मानव समाज को दान, त्याग और सेवा का मार्ग दिखाया था। उन्हीं आदर्शों को आत्मसात करते हुए संगठन ने इस पावन अवसर पर जरूरतमंदों की सेवा का निर्णय लिया। अध्यक्ष कमल जैन एवं मंत्री कल्पेश जैन ने बताया कि यह सेवा कार्य अजमेरी गेट स्थित महावीर कीर्ति स्तंभ के बाहर आयोजित किया गया, जहाँ 1100 से अधिक लोगों को प्रेमपूर्वक भोजन करवाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ भगवान आदिनाथ के चित्र के अनावरण एवं दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। इस अवसर पर

श्री दिगंबर जैन पंचायत के अध्यक्ष अशोक काला एवं मंत्री विजय फागीवाला सहित राजकुमार पहाड़िया, शशिकांत गदिया और प्रकाश गदिया जैसे अनेक गणमान्य सदस्य उपस्थित रहे। संगठन के युवाओं ने स्वयं आगे बढ़कर भोजन वितरण की व्यवस्था संभाली और सभी को सम्मानपूर्वक भोजन कराया।

समाज ने की सराहना

उपस्थित अतिथियों एवं ब्यावर के नागरिकों ने श्री विद्यासागर युवा संगठन के इस कार्य की भूरि-भूरि प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि युवाओं द्वारा किए जा रहे ऐसे सेवा कार्य समाज के लिए अत्यंत प्रेरणादायी हैं। अंत में संगठन के सदस्यों ने सहयोग हेतु सभी का आभार व्यक्त किया।

धूमधाम से मनाया भगवान आदिनाथ का जन्म कल्याणक महोत्सव, 18 किलोमीटर मार्ग पर चला धर्म का कारवां

राजधानी में द्वितीय बार 18 किलोमीटर मार्ग की निकली वाहन रथयात्रा - मार्ग में 21 स्थानों पर हुई महाआरती एवं पुष्प वर्षा, पूरे विश्व को असि मसि कृषि की शिक्षा देने वाले जैन तीर्थंकर ऋषभदेव का गूंजा जयकारा

राजस्थान जैन युवा महासभा जयपुर के तत्वावधान में हुआ आयोजन

जयपुर. शाबाश इंडिया

दिगम्बर जैन युवा एवं महिला संगठनों की प्रदेश स्तरीय पंजीकृत प्रतिनिधि संस्था राजस्थान जैन युवा महासभा जयपुर के तत्वावधान में सकल दिगम्बर जैन समाज द्वारा जैन धर्म के प्रथम तीर्थंकर भगवान आदिनाथ (ऋषभदेव) के जन्म कल्याणक दिवस (जन्म जयंती) जोर शोर से मनाया गया। इस मौके पर गुरुवार, 12 मार्च को राजस्थान की राजधानी गुलाबी नगर जयपुर में 18 किलोमीटर मार्ग की विशाल वाहन रथयात्रा निकाली गई ।यह वाहन रथयात्रा प्रतापनगर के सैक्टर 5 स्थित श्री महावीर दिगम्बर जैन मंदिर से रवाना होकर 18 किलोमीटर मार्ग की दूरी तय करते हुए मानसरोवर में मीरामार्ग के आदिनाथ भवन पर जाकर सम्पन्न हुई। वाहन रथयात्रा में भगवान आदिनाथ के जीवन चरित्र को दशार्ती झांकियों सहित बड़ी संख्या में जैन बन्धु एवं वैश्य बन्धु अपने दो पहिया एवं चौपहिया वाहनों के साथ शामिल हुए ।समापन पर मीरा मार्ग के आदिनाथ भवन पर विशाल धर्म सभा हुई। युवा महासभा के प्रदेश अध्यक्ष प्रदीप जैन एवं प्रदेश महामंत्री विनोद जैन कोटखावदा ने बताया कि प्रतापनगर के हल्दीघाटी मार्ग पर सैक्टर 5 स्थित श्री महावीर दिगम्बर जैन मंदिर से प्रातः 7.15 बजे समाज श्रेष्ठी सुनील पहाडियाँ, कमल सरावगी, दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र श्री महावीर जी के अध्यक्ष सुधान्शु कासलीवाल, ज्ञान चन्द झांझरी ने जैन ध्वज दिखाकर इस विशाल वाहन रथयात्रा का शुभारंभ किया। इससे पूर्व महावीर दिगम्बर जैन मंदिर में सामूहिक दर्शन के बाद अभिषेक, शांतिधारा एवं महाआरती के आयोजन हुए। मंदिर समिति की ओर से मुख्य समन्वयक राजीव जैन गाजियाबाद, युवा महासभा के प्रदेश अध्यक्ष प्रदीप जैन, प्रदेश महामंत्री विनोद जैन कोटखावदा, जिला अध्यक्ष संजय पाण्डया, जिला महामंत्री सुभाष बज, समन्वयक राकेश गोधा, इंदिरा बडजात्या, मुख्य संयोजक सुनीता अजमेरा आदि पूरी टीम का स्वागत एवं सम्मान किया गया। यह रथयात्रा हल्दीघाटी गेट, टौक रोड, दुगार्पुरा, महावीर नगर, गोपालपुरा बाईपास, मानसरोवर के मध्यम मार्ग, सिटी पार्क चौराहा होते हुए अग्रवाल फार्म के मीरा मार्ग स्थित श्री आदिनाथ दिगम्बर जैन मंदिर पहुच कर शोभायात्रा में बदल गई। आदिनाथ मंदिर से भगवान आदिनाथ की प्रतिमा को लेकर बैण्ड बाजों के साथ नाचते गाते आदिनाथ भवन पर पहुचे । जहां समापन पर धर्म सभा एवं श्री जी के कलशाभिषेक तथा महाआरती का भव्य आयोजन किया गया ।इस वाहन रथ यात्रा मार्ग पर शहर के 51 से अधिक दिगम्बर जैन मंदिरों एवं कई सामाजिक संगठनों, राजनीतिक दलों एवं विभिन्न समाजों द्वारा रथयात्रा पर पुष्प वर्षा तथा भगवान आदिनाथ के मुख्य रथ की आरती की गई । जिला अध्यक्ष संजय पाण्डया एवं जिला महामंत्री सुभाष बज ने बताया कि इस विशाल वाहन रथयात्रा में मार्ग में पुष्पक विमान से पुष्प वर्षा करवाई गई। मुख्य समन्वयक राजीव जैन गाजियाबाद ने बताया कि विशाल वाहन रथयात्रा में भगवान आदिनाथ से सम्बंधित झाकियो सहित 24 तीर्थंकरों के रथ, भरत का भारत की झांकी, भजन मण्डलियां, लवाजमा, बैण्ड बाजे, नारे लिखी तख्तियां, डी जे, विन्टेज कारे, बैनर, झण्डे, दो पहिया एवं चौपहिया वाहन, महिला मण्डलों के लिए ट्रेक्टर ट्रालियां आदि शामिल होकर भगवान आदिनाथ के श्रद्धालुओं ने गुणगान किये। देश के विभिन्न 16 तीर्थ क्षेत्रों में स्थापित आदिनाथ भगवान की प्रतिमा के चित्र भी शोभायात्रा में जीप रथों पर विराजमान कर शामिल किए गये। दो किलोमीटर लम्बी यह वाहन रथयात्रा जब मीरा मार्ग पहुची तो इसका पिछला छोर वरुण पथ पर था। युवा, महिलाऐ सभी भक्ति में लीन होकर नृत्य करते हुए वाहन रथयात्रा में शामिल हुए। मीरामार्ग के आदिनाथ भवन पर मीरा मार्ग मंदिर समिति के सहयोग से आयोजित धर्म सभा में उपस्थित ज्ञान चन्द झांझरी राजीव जैन गाजियाबाद, प्रदीप जैन, विनोद जैन कोटखावदा, संजय पाण्डया, सुभाष बज आदि ने झण्डारोहण एवं भगवान आदिनाथ के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलन किया। इस मौके पर राजस्थान जैन सभा जयपुर के अध्यक्ष सुभाष चन्द जैन, समाजसेवी कमल बाबू जैन सहित कई मंदिरों के अध्यक्ष एवं महामंत्री उपस्थित रहे। इससे पूर्व रमा जैन, सुशीला रावकां रश्मी सांगानेरिया आदि ने मंगलाचरण किया। युवा महासभा की ओर से प्रदीप जैन, विनोद जैन कोटखावदा, संजय पाण्डया, सुभाष बज,राकेश गोधा, महेश बाकलीवाल,मुकेश कासलीवाल, राजेन्द्र सेठी, महावीर सुरेन्द्र जैन, राज कुमार पाटनी, मनीष सोगानी, इंदिरा बडजात्या, सुनिता अजमेरा, निशा बडजात्या, दीपिका जैन कोटखावदा, नीतू जैन मुल्तान आदि ने अतिथियों का स्वागत एवं सम्मान किया। तत्पश्चात विनोद जैन कोटखावदा ने अपने उदबोधन में द्वितीय बार आयोजित ऐतिहासिक वाहन रथयात्रा की विस्तृत जानकारी उपस्थित श्रद्धालुओं को दी। प्रदीप जैन ने स्वागत उदबोधन दिया। मुख्य समन्वयक राजीव जैन गाजियाबाद ने रथयात्रा की शुरूआत की भूमिका बताई। विमल जैन पचेवर ने भगवान आदिनाथ के जन्म कल्याणक दिवस पर प्रकाश डाला।समन्वयक राकेश गोधा ने वाहन एवं जुलूस टीम का धन्यवाद दिया। जयकारों के बीच श्री जी के कलशाभिषेक किये गये। श्री जी की माल का पुण्यार्जन जय प्रकाश - अंजलि जैन ने किया। श्रद्धालुओं ने भक्ति पर झूमते हुए श्री जी महाआरती की। गायक अशोक गंगवाल, सुभाष बज, विमल जैन के भक्तिमय भजनों पर पूरा सभागार नाच उठा। वाहन रथयात्रा में प्रारम्भ से दो पहिया एवं चौपहिया वाहन लेकर शामिल हुए महिला पुरुषों के लिए लक्की ड्रा पुरस्कार दिये गए। धर्म सभा में उपस्थित जैन बन्धुओं ने सरकार से आगामी वर्ष आदिनाथ जयन्ती पर सार्वजनिक अवकाश घोषित करने की मांग की।

मानव सेवार्थ महा-रक्तदान शिविर संपन्नः आदिनाथ जयंती पर 'रक्तवीरों' ने पेश की सेवा की मिसाल

दिगंबर जैन सोशल ग्रुप फेडरेशन और के.एम.टी. के संयुक्त तत्वावधान में 188 यूनिट रक्त संग्रहित

जयपुर. शाबाश इंडिया

भगवान महावीर के 2625वें जन्मोत्सव के उपलक्ष्य में 'आदिनाथ जयंती से महावीर जयंती' तक आयोजित कार्यक्रमों की शृंखला में गुरुवार को प्रथम तीर्थंकर भगवान आदिनाथ के जन्म एवं तप कल्याणक के पावन अवसर पर एक वृहद स्वैच्छिक रक्तदान शिविर संपन्न हुआ। यह आयोजन दिगंबर जैन सोशल ग्रुप फेडरेशन राजस्थान रीजन (जयपुर) के मार्गदर्शन, सन्मति ग्रुप के सहयोग तथा वीर ग्रुप एवं के.एम. ट्रांस लॉजिस्टिक के संयुक्त सौजन्य से आयोजित किया गया।

दो केंद्रों पर हुआ रक्तदान

यह जीवन रक्षक शिविर भांकरोटा एवं गिदानी (मौजमाबाद) स्थित कार्यालयों में प्रातः 10:00 बजे से सायं 4:00 बजे तक आयोजित हुआ। इस पुनीत कार्य में एस.डी.एम.एच., स्वास्थ्य कल्याण एवं अर्जुन रक्त कोष (ब्लड बैंक) के चिकित्सा दलों द्वारा कुल 188 यूनिट रक्त का संग्रहण किया गया।

निदेशक ने स्वयं रक्तदान कर पेश की मिसाल

शिविर संयोजक एवं जयपुर रीजन के सचिव डॉ. नीरज जैन ने बताया कि रक्तदान के प्रति उत्साह जगाने हेतु के.एम.टी. के निदेशक श्री अमित चांदवाड़ ने स्वयं रक्तदान कर उपस्थित जनसमूह के लिए प्रेरणादायी उदाहरण प्रस्तुत किया। शिविर में पधारे सभी रक्तदाताओं को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया तथा उनके स्वास्थ्य और ऊर्जा संवर्धन हेतु अल्पाहार व व्यंजनों की समुचित व्यवस्था की गई।

प्रमुख सहयोग एवं सहभागिता

इस महा-रक्तदान शिविर को सफल बनाने में कमल कुमार चांदवाड़, प्रभाचंद चांदवाड़, नरेश चांदवाड़ सहित मुख्य समन्वयक राजेश बड़जात्या, राकेश गोदिका, राकेश संघी, अनिल रावंका और कमल ठोलिया का विशेष सहयोग रहा। साथ ही आसपास के कार्यालयों से आए कर्मचारियों और स्थानीय लोगों ने भी बड़ी संख्या में अपनी सहभागिता दर्ज कराई। शिविर के समापन पर रक्त संग्रहण करने वाले चिकित्सा दलों का के.एम.टी. परिवार की ओर से विशेष अभिनंदन किया गया।